सच्ची बात, पाठकों के साथ | नागपुर, शुक्रवार 27 जून 2025 | www.rashtrabaan.in | पृष्ठ :8 | वर्ष :2 | अंक : 232 | मूल्य:₹ 5

राष्ट्रबाण

|| धर्मो रक्षति रक्षितः ||

मध्य भारत का लोकप्रिय दैनिक

शुभांशु शुक्ला का 'मिशन स्पेस' सक्सेसफुल

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में हुई एंट्री

14 दिन यहीं रहेंगे चारों एस्ट्रोनॉट्स

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला स्पेस स्टेशन पहुंच गए हैं. चारों एस्ट्रोनॉट का स्टेशन पर मौजूद अंतरिक्षयात्रियों ने स्वागत किया. इसके बाद चारों मेहमानों को वेलकम ड्रिंक दी गई. इसी के साथ भारत का स्पेस स्टेशन पहुंचने का सपना पूरा हो गया. पहला भारतीय स्पेस स्टेशन पहुंच चुका है. अब अगले 14 दिन ही ये स्टेशन में रहेंगे. शुभांशु शुक्ला ने स्पेसक्राफ्ट के अंदर से कहा कि यह मेरी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक की जर्नी की शुरुआत नहीं है, यह भारत की ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम की शुरुआत है. और मैं चाहता हूं कि सभी देशवासी इस यात्रा का हिस्सा बनें. आपका भी सीना गर्व से चौड़ा होना चाहिए. आप भी उतना ही एक्सा-इटमेंट दिखाइए. आइए हम सब मिलकर भारत की इस ह्यूमन स्पेस जर्नी की शुरुआत करें. धन्यवाद, जय हिंद, जय भारत.

60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग होंगे

Ax-4 मिशन में शुभांशु के साथ अमेरिका की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन (कमांडर), पोलैंड के सावोस उज़नान्स्की और हंगरी के टिबोर कापू भी शामिल हैं. यह पहला मौका है जब पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री भी ISS पहुंचे हैं. Ax-4 टीम अंतरिक्ष स्टेशन पर 14 दिन बिताएगी और 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग तथा शैक्षणिक गतिविधियों को अंजाम देगी, जिसमें कैंसर अनुसंधान, डीएनए मरम्मत और उन्नत निर्माण तकनीकों से जुड़े प्रयोग शामिल हैं.

ड्रैगन कैप्सूल की डॉकिंग प्रक्रिया

ड्रैगन कैप्सूल की ISS के साथ डॉकिंग एक स्वचालित (autonomous) प्रक्रिया है, लेकिन शुभांशु और कमांडर पेगी व्हिटसन इसकी निगरानी करेंगे. यह प्रक्रिया सटीकता और सुरक्षा के लिए डिज़ाइन की गई है. इसे 4 मुख्य चरणों में समझा जा सकता है. रेंडेजवू (Rendezvous): ड्रैगन कैप्सूल लॉन्च के बाद 90 सेकंड के इंजन फायरिंग के साथ अपनी गति और दिशा समायोजित करता है. दोपहर 2:33 बजे IST तक, यान 400 मीटर नीचे और 7 किमी पीछे से शुरू हुआ और अब 200 मीटर की दूरी पर है. स्पेसएक्स और नासा के ग्राउंड कंट्रोलर यान के सिस्टम की जांच करते हैं.

अलकनंदा नदी में गिरा यात्रियों से भरा टेंपो ट्रैवलर

उत्तराखंड के बद्रीनाथ हाईवे पर हादसा

3 की मौत 9 लापता

राष्ट्रबाण

देहरादून. उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग-बद्रीनाथ हाईवे पर घोलतीर में यात्रियों से भरा टेंपो ट्रैवलर अलकनंदा नदी में गिर गया, जिससे बड़ा हादसा हो गया. थाना अगस्त्यमुनि, रतूड़ा एवं गोचर से पुलिस बल और एसडीआरएफ की टीमें तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना की गईं.

कैसे हुआ हादसा?

रुद्रप्रयाग के घोलतीर के निकट स्टेट बैंक मोड़ के पास 31 सीटर वाहन (UK08 PA 7444) दुर्घटनाग्रस्त होकर हाईवे से सीधे खाई में गिरकर नदी में चला गया. वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने और नदी में समाने से पूर्व इस वाहन में सवार कुछ लोग छिटक गए, जिनको रेस्क्यू टीमों द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से ऊपर सड़क पर लाया गया.

बस में सवार थे 18 यात्री, 7 घायल

पुलिस मुख्यालय के प्रवक्ता आईजी नीलेश आनंद भरणे ने बताया, ₹रुद्रप्रयाग जिले के घोलथिर इलाके में एक टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर अलकनंदा नदी में गिर गया. अब तक मिली जानकारी के अनुसार बस में ड्राइवर सहित कुल 20 लोग सवार थे.₹ हादसे में 3 यात्रियों की मौत हो गई है और 7 घायल बताए जा रहे हैं. वहीं, 9 लोग लापता हैं. गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने बताया, ₹रुद्र-प्रयाग जिले के घोलथिर में 18 सीटर टेंपो ट्रैवलर के अलकनंदा नदी में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है और सात लोग घायल हो गए हैं.

तेजस्वी यादव छात्र संसद में बाल-बाल बचे

सभागार का गेट टूटने से कार्यकर्ता का सिर फटा

राष्ट्रबाण

पटना. पटना के बापू सभागार में आयोजित छात्र संसद कार्यक्रम के दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया. कार्यक्रम से बाहर निकलते समय बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव उस वक्त बाल-बाल बच गए, जब सभागार का कांच का मुख्य गेट टूट गया. मौके पर भारी भीड़ मौजूद थी और गेट पर अचानक अफरा-तफरी मच गई.

गेट टूटने की घटना में राजद का एक कार्यकर्ता बुरी तरह घायल हो गया, जिसके सिर पर गंभीर चोटें आई हैं. कार्यकर्ता को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है. इसका वीडियो भी सामने आया है जिसमें दिख रहा है कि तेजस्वी जब बाहर निकल रहे हैं.

बांग्लादेश बॉर्डर पर BSF को बड़ी कामयाबी

20 सोने की बिस्किट बरामद, तस्कर फरार

राष्ट्रबाण

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (BSF) को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. बीएसएफ के 59वीं बटालियन के जवानों ने बुधवार को जीतपुर सीमा चौकी (बॉर्डर आउटपोस्ट) के पास एक साइकिल सवार तस्कर को रोकने की कोशिश की. तस्कर ने जब भागने का प्रयास किया, तो जवानों को उसकी साइकिल के पिछले टायर में असामान्य उभार नजर आया. रिपोर्ट के मुताबिक जवानों ने जब उस टायर की गहन जांच की, तो उसमें छिपाकर रखे गए 20 सोने के बिस्किट बरामद हुए. बरामद सोने का कुल वजन 2.367 किलोग्राम है और बाजार में इसकी अनुमानित कीमत 2.31 करोड़ रुपये बताई जा रही है. हालांकि, तस्कर मौके से फरार हो गया.

फास्ट ट्रैक

11 साल बाद आसाराम से मिला बेटा नारायण साईं

राष्ट्रबाण

जोधपुर. यौन शोषण के मामलों में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम और उसके बेटे नारायण साईं की वर्षों बाद जोधपुर आश्रम में मुलाकात हुई है. नारायण साईं गुजरात हाईकोर्ट से 5 दिन की पैरोल लेकर जोधपुर पहुंचा और पाल रोड स्थित आश्रम में पिता से मुलाकात की. नारायण साईं इस समय गुजरात की एक जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है. उसने अपने पिता की बिगड़ती तबीयत का हवाला देते हुए हाईकोर्ट में अर्जी लगाई थी, जिसमें जोधपुर आकर आसाराम से मिलने की अनुमति मांगी गई थी.

वन नेशन-वन इलेक्शन

बिल पर JPC करेगी चर्चा, पूर्व CJI डीवाई चंद्रचूड़ और जेएस खेहर के साथ होगा विमर्श

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जेएस खेहर एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव वाले विधेयकों की जांच कर रही संसदीय समिति के समक्ष पेश होंगे. संविधान (129वां (संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024) पर संयुक्त समिति की बैठक 11 जुलाई को निर्धारित की गई है. इस दिन समिति के सदस्य दो सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों के साथ विचार-विमर्श करेंगे. इनके अलावा वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा के पूर्व सदस्य ईएम सुदर्शन नचियप्पन, और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एम. वीरप्पा मोइली भी समिति के समक्ष विचार-विमर्श के लिए उपस्थित होंगे.

2 विधेयकों की जांच कर रही समिति

नचियप्पन कार्मिक, लोक शिकायत, कानून व न्याय पर स्थायी समिति के अध्यक्ष भी रह चुके हैं. 39 सदस्यीय समिति एक साथ चुनाव कराने के दो विधेयकों की जांच कर रही है, जिसमें संविधान में संशोधन करने वाला विधेयक भी शामिल है. भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली समिति का कार्यकाल संसद के मानसून सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक बढ़ा दिया गया है.

हिंदी किसी की दुश्मन नहीं, अब 13 भाषाओं में JEE

NEET और CUET की परीक्षाएं, भाषा विरोध के बीच बोले अमित शाह

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. देश में चल रहे भाषा विरोध के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हिंदी, अंग्रेजी और इसके साथ ही साथ कई स्थानीय भाषाओं को लेकर अपनी बात कही है. उन्होंने कहा कि, 'अब देश में JEE, NEET और CUET की परिक्षाएं कुल 13 भाषाओं में हो रही हैं. पहले CAPF की कांस्टेबल भर्ती के लिए

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की दोस्त है

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसी दौरान यह भी कहा कि हिंदी भाषा किसी भी दूसरे भारतीय भाषा की दुश्मन नहीं है. उन्होंने कहा, 'मैं दिल से मानता हूं कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की दुश्मन नहीं हो सकती. हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की दोस्त है और हिंदी एवं भारतीय भाषाएं मिलकर हमारे स्वाभिमान कार्यक्रम को उसके अंतिम लक्ष्य तक पहुंचा सकती हैं.

भारतीयों को अब मिलेगा अमेरिकी वीजा

क्या है नई गाइडलाइंस?, विदेश मंत्रालय ने बताई पूरी बात

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. अमेरिकी दूतावास ने नई गाइडलाइन्स जारी की हैं, जिस पर विदेश मंत्रालय ने संज्ञान लिया है. नए दिशानिर्देशों में वीजा आवेदकों को अपने सोशल मीडिया पहचान-कर्ताओं की डिटेल देना जरूरी कर दिया गया है और इस बात पर जोर दिया गया है कि भारतीय नागरिकों को वीजा आवेदनों का मूल्यांकन योग्यता के आधार पर किया जाना चाहिए. वीकली प्रेस ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, वीजा और आव्रजन मामले किसी भी देश के संप्रभु कार्यों से संबंधित होते हैं.

'पहलगाम हमले को नहीं भूली है दुनिया'

भारत ने UN में पाक को जमकर लताड़ा

राष्ट्रबाण

न्यूयॉर्क. भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान की 'राजनीति से प्रेरित टिप्पणियों' और 'नापाक एजेंडे' को आगे बढ़ाने के उसके प्रयासों की कड़े शब्दों में निंदा की है. संयुक्त राष्ट्र की प्रक्रियाओं पर पाकिस्तान के "अनुचित आरोपों" और बच्चों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों तथा सीमापार आतंकवाद से ध्यान हटाने के उसके प्रयासों को [2]ढ़ता से खारिज करते हुए भारत ने कहा कि दुनिया अभी पहलगाम हमले को नहीं भूली है. संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने कहा, "हम पाकिस्तान द्वारा उसके अपने ही देश में बच्चों के खिलाफ किए जा रहे अत्याचारों से

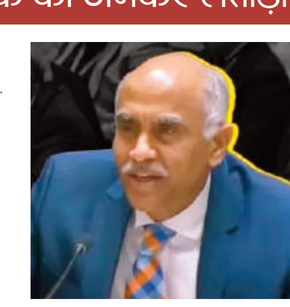

इस मंच का दुरुपयोग कर रहा पाकिस्तान भारतीय राजदूत

'बच्चे और सशस्त्र संघर्ष' के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस के दौरान भारतीय राजदूत ने जोरदार जवाब देते हुए पाकिस्तान को इस मंच का दुरुपयोग करने और परिषद के एजेंडे का उल्लंघन करने पर जमकर फटकार लगाई.

महासचिव ने "स्कूलों, विशेष रूप से लड़कियों के स्कूलों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ हमलों सहित इस तरह के गंभीर अत्याचारों में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की है. साथ ही, अफगानिस्तान से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तानी सशस्त्र बलों द्वारा सीमा पार गोलाबारी और हवाई हमलों के कारण अफगानी बच्चों की हत्या और उनकी दिव्यांगता पर भी उन्होंने चिंता जताई. पाकिस्तान पर अपने नापाक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न चर्चाओं में भारत को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए भारतीय राजदूत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को याद किया. इसमें पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी. हरीश ने कहा, "दुनिया 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए क्रूर हमले को नहीं भूली है."

शक्ति जल्द लेने जा रहा है देश हित में बड़ा फैसला

345 पार्टियों का रजिस्ट्रेशन रद्द करेगा चुनाव आयोग

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. भारत के चुनाव आयोग ने 345 गैर-मान्यता प्राप्त पंजीकृत राजनीतिक दलों (RUPPs) को अपनी लिस्ट से हटाने का फैसला किया है. यह वे दल हैं जो पिछले 6 सालों में एक भी चुनाव नहीं लड़े और इनके पंजीकृत पते पर कोई कार्यालय नहीं मिला. चुनाव आयोग ने बताया कि देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले इन 345 दलों ने रजिस्टर्ड अन-रजिस्टर पॉलिटिकल पार्टी के रूप में बने रहने की अनिवार्य शर्तों को पूरा नहीं किया. आयोग के पास वर्तमान में 2800 से ज्यादा RUPPs रजिस्टर्ड हैं, लेकिन इनमें से कई दल न तो चुनाव लड़ रहे हैं और न ही अपनी मौजूदगी साबित कर पा रहे हैं.

क्या है RUPP और क्यों हो रही कार्रवाई?

रजिस्टर्ड अनरजिस्टर पॉलिटिकल पार्टियां (RUPPs) वे दल हैं, जो या तो नए रजिस्टर्ड हैं, या जिन्होंने विधानसभा या लोकसभा चुनावों में पर्याप्त वोट हासिल नहीं किए कि उन्हें राज्य या राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल सके, या फिर जिन्होंने रजिस्ट्रेशन के बाद कभी चुनाव ही नहीं लड़ा. ऐसे दलों को मान्यता प्राप्त दलों की तरह सभी सुविधाएं नहीं मिलतीं, लेकिन इन्हें कुछ अधिकार मिलते हैं, जैसे सामान्य चुनाव चिह्न (कॉमन सिंबल) का आवंटन. चुनाव आयोग ने पाया कि कई RUPPs इन सुविधाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं इसलिए उनके ऊपर यह एक्शन लिया जा रहा है.

पंजीकरण रद्द करने के क्या हैं नियम?

चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक, प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29A और चुनाव चिन्ह (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 के तहत, कोई भी पंजीकृत दल अगर लगातार 6 साल तक लोकसभा, विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनाव में हिस्सा नहीं लेता, तो उसका पंजीकरण रद्द किया जा सकता है. ऐसे दल अक्सर केवल कागजों पर मौजूद रहते हैं और टैक्स छूट, मनी लॉन्ड्रिंग या अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं. आयोग ने इन दलों के पंजीकृत पतों का भौतिक सत्यापन किया, जिसमें यह दल मौजूद नहीं पाए गए.

'भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी'

आयोग ने स्पष्ट किया कि वह भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रखेगा ताकि केवल सक्रिय और वैध दल ही पंजीकृत रहें. प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29A के तहत, पंजीकृत दलों को अपने कार्यालय, पदाधिकारियों और अन्य विवरणों में बदलाव की सूचना आयोग को देनी होती है. अगर कोई दल छह साल तक कोई चुनाव नहीं लड़ता या उसका कार्यालय सत्यापन में नहीं मिलता, तो उसे गैर-मौजूद मानकर हटाया जा सकता है. यह नियम धन शोधन और चुनावी धोखाधड़ी को रोकने के लिए बनाया गया है.

2022 में 86 RUPPs को हटाया गया था

चुनाव आयोग ने अपने बयान में बताया कि ये 345 दल देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं. इनमें से कई दलों ने अपने पते में बदलाव की सूचना भी आयोग को नहीं दी, जो नियमों का उल्लंघन है. इससे पहले 2022 में आयोग ने 86 गैर-मौजूद RUPPs को हटाया था और 253 को 'निष्क्रिय' घोषित किया था. इस बार भी आयोग ने सख्ती दिखाते हुए निष्क्रिय दलों को हटाने का फैसला किया है. इस कदम से इन दलों को मिलने वाले लाभ जैसे मुफ्त चुनाव चिन्ह और अन्य सुविधाएं, बंद हो जाएंगी. यह कदम न केवल राजनीतिक प्रक्रिया को मजबूत करेगा, बल्कि मतदाताओं का भरोसा भी बढ़ाएगा.

संपादकीय

ट्रंप से अब और सावधान हो जाए भारत

इन परिस्थितियों में रूसी विदेश मंत्री द्वारा प्रस्तावित रूस, चीन और भारत का त्रिकोण अब प्रासंगिक लगता है. चीन भी अब इसे लेकर सजग हो रहा है. भारत और चीन के रिश्तों में बर्फ पिघलती देखी जा सकती है. हाल में शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात के बाद आए चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में उल्लेख कुछ दिनों के भीषण युद्ध के बाद इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष विराम हो गया. कहना मुश्किल है कि यह संघर्ष विराम कितने समय तक टिकेगा? ईरान पर हमला बोलते समय इजरायल ने यह कहा था कि उसका उद्देश्य ईरानी परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करना है. उसे कुछ आरंभिक सफलता भी हासिल हुई. उसके अचानक हमले में ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडर और परमाणु विज्ञानी मारे गए. शुरुआती सफलता के बीच इजरायल ने कहना शुरू कर दिया कि हमले के पीछे उसके उद्देश्य बड़े हैं और एक उद्देश्य ईरान में सत्ता परिवर्तन का भी है. ईरान की सत्ता उन कट्टर मजहबी नेताओं के कब्जे में है, जो हमास-हिजबुल्ला का साथ देते हैं. इजरायल के समर्थन में अमेरिका के कई ताकतवर नवरूढ़िवादी सांसदों की आवाज भी उठने लगी. शुरुआत में अमेरिका इस लड़ाई में कूदने से हिचक रहा था, पर ईरान की जवाबी कार्रवाई से घिरे इजरायल की मदद के लिए आखिरकार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी वायु सेना को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के आदेश देने ही पड़े. इसके बावजूद ईरानी परमाणु कार्यक्रम के पूरी तरह ध्वस्त होने को लेकर संदेह है. वैसे भी ईरान की मिसाइल क्षमता आशा से कहीं अधिक निकली. युद्ध लंबा खिंचने पर इजराइल में कहीं अधिक बर्बादी हो सकती थी. इसी कारण ट्रंप ने आनन-फानन युद्ध विराम का एलान भी कर दिया और वह भी अपने व्यापक लक्ष्यों की पूर्ति के बिना, क्योंकि न तो ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट हो पाया और न ही वहां सत्ता परिवर्तन के कोई आसार दिख रहे. हालांकि इसका यह अर्थ नहीं कि इजरायल और ट्रंप के मागा (मेक अमेरिकी ग्रेट अगेन) खेमे ने यह योजना सदा के लिए छोड़ दी है. सही मौका देखकर इसे फिर से क्रियान्वित करने का प्रयास होगा. वैसे तो अमेरिका को 'फिर से महान बनाने के अभियान' में लगा ट्रंप प्रशासन ईरान में सत्ता परिवर्तन के लिए किसी जमीनी युद्ध में नहीं उलझना चाहता, परंतु उसके इरादों को देखते हुए भारत को सतर्क होना होगा. भारत को सामरिक दृष्टिकोण से भी इस युद्ध के निहितार्थ समझने की आवश्यकता है.

इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान व्हाइट हाउस में ट्रंप की ओर पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की आवभगत का एक गहरा अर्थ है. जब मुनीर व्हाइट हाउस में थे, लगभग उसी समय अमेरिकी मदद से सत्तासीन बांग्लादेश की भारत विरोधी मोहम्मद यूनुस सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मिल रहे थे.

शुभांशु की उड़ान से नया आत्मविश्वास

नासा ने एक्सिओम मिशन-4 के तहत जिन 4 अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा है, उनमें भारतीय वायुसेना के कप्तान शुभांशु शुक्ल भी शामिल हैं. शुभांशु को खासतौर पर गगनयान मिशन की दृष्टि से ही तैयार किया गया था. हमें फॉलो करें अंतरिक्ष अब कुतूहल का विषय नहीं, बल्कि कारोबारी संभावनाओं के अनंत आकाश में तब्दील हो चुका है. इसीलिए दुनिया के तमाम उन्नत देश अंतरिक्ष में अपनी पहचान अंकित करने की होड़ में

भारत भी पिछले कुछ वर्षों से अपने तकनीकी विकास, अनुसंधान क्षमता और प्रणाली के बल पर अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस जैसे अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी देशों की कतार में शामिल हो गया है. उपग्रह प्रक्षेपण के कारोबार में तो वह दुनिया के कई देशों को चुनौती देने लगा है. अब भारत अपनी महत्त्वाकांक्षी गगनयान योजना पर काम कर रहा है. उस दिशा में एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है.

अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान एजंसी नासा ने एक्सिओम मिशन-4 के तहत जिन चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा है, उनमें भारतीय वायुसेना के कप्तान शुभांशु शुक्ल भी शामिल हैं. शुभांशु को खासतौर पर गगनयान मिशन की दृष्टि से ही तैयार किया गया था. वे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच कर सात प्रयोग करेंगे. यह भारत के लिए इसलिए भी बड़ी उपलब्धि है कि लंबे समय बाद उसका तैयार किया हुआ कोई अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में गया है. राकेश शर्मा के बाद शुभांशु को दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री का गौरव प्राप्त हुआ है. अंतरिक्ष में मानव को भेजना इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि उन्नत अंतरिक्ष यानों, ताकतवर कैमरों, रोबोटिक यंत्रों आदि के विकास के बावजूद अंतरिक्ष के विस्तार को पूरी तरह खंगाल पाना संभव नहीं है. इसलिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित किया गया, ताकि वहां रह कर अंतरिक्ष यात्री विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन कर सकें. मगर उस स्टेशन तक मानव को भेजना और वापस लाना अब भी बड़ी चुनौती है. सुनीता विलियम्स के वहां लंबे समय तक फंस जाने की घटना से इसका अंदाजा लगाया जा सकता है.जिन यात्रियों को वहां भेजा जाता है, उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से विशेष प्रशिक्षण की जरूरत होती है, क्योंकि अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के लिए जिस तरह शरीर को ढालने की जरूरत होती है, वह कम ही लोग कर पाते हैं. फिर, उस स्टेशन तक यात्रियों को भेजने के लिए भरोसेमंद यान अभी तक अमेरिका ही विकसित कर पाया है. शुभांशु के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने से भारत को अपने अंतरिक्ष यात्री तैयार करने का रास्ता खुलेगा और गगनयान मिशन के लिए काम करने में काफी मदद मिलेगी.अंतरिक्ष के बहुत सारे रहस्य अभी खुलने बाकी हैं. उसका अध्ययन केवल इसलिए महत्त्वपूर्ण नहीं है कि उसमें जीवन की संभावनाओं की तलाश हो सकेगी. विभिन्न ग्रहों पर खनिजों और नए तत्त्वों की खोज से विज्ञान व मानवता के लिए नए रास्ते भी खुल सकेंगे. भविष्य में धरती के कई खनिज बढ़ती जरूरतों के आगे अपर्याप्त पड़ सकते हैं. इसलिए दूसरे ग्रहों पर उनकी तलाश अभी से करनी पड़ेगी. फिर, अब तो अंतरिक्ष पर्यटन पर जोर बढ़ रहा है. इस दिशा में कई सरकारी व निजी प्रयास हो रहे हैं. गगनयान मिशन को भी इसी दृष्टि से विकसित किया जा रहा है कि अंतरिक्ष पर्यटन की संभावनाओं को भुनाया जा सके. ऐसे में शुभांशु जैसे अंतरिक्ष यात्रियों की जरूरत बढ़ेगी. दुनिया के देशों की उन्नति इस बात से भी आंकी जाने लगी है कि अंतरिक्ष में किसकी कितनी पहुंच है और अपने दम पर वह अंतरिक्ष में कितनी जगह बना पाया है.

मताधिकार का अधिकार सुरक्षित

उत्तराखंड हाई कोर्ट का फैसला - कि अतिक्रमित भूमि पर रहने की वजह से किसी को मताधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता- भारतीय लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों को दोहराता है. वोटिंग का अधिकार संविधान की ओर से दिया गया है और इसका आधार जमीन का टुकड़ा नहीं हो सकता. न यह अधिकार इतना कमजोर है कि इसे किसी सरकारी फरमान से छीना जा सके. उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के कुछ लोगों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर राज्य सरकार के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि सरकारी, जंगल या किसी और जमीन पर अतिक्रमण करके रहने वालों को पंचायत चुनावों में मतदान करने या इलेक्शन लड़ने से वंचित किया जाएगा. हाई कोर्ट ने इस पर साफ किया कि संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत मताधिकार सुरक्षित है और न्यायपालिका या सरकार कोई भी इसे वापस नहीं ले सकता. राज्य सरकार का यह आदेश अगर लागू हो जाता, तो एक खतरनाक मिसाल बन सकता था. देश के कई हिस्सों में आज भी लाखों लोग ऐसी जमीनों पर रह रहे हैं, जिनका स्वामित्व स्पष्ट नहीं है, खासतौर पर शहरों के बीच बसी झुग्गियों, गांवों और आदिवासी क्षेत्रों में. देश में वैसे भी जमीन से जुड़े मुकदमे बरसों तक चलने के लिए बदनाम हैं. कई मामलों में पीढ़ियां बदल गई और फैसला नहीं आया. लेकिन, इसका यह मतलब नहीं है कि इन्हें अतिक्रमणकारी बताकर इनके संवैधानिक अधिकार से वंचित कर दिया जाए. लोकतंत्र में मताधिकार केवल चुनावी प्रक्रिया का एक अंग नहीं है. इसी से भागीदारी और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होता है. संविधान ने देश के लोगों को यह अधिकार दिया है जब अनुच्छेद 326 के ड्राफ्ट आर्टिकल को शामिल किया जा रहा था, तब भी इस पर आपत्ति उठाई गई थी. एक सदस्य ने वयस्क मताधिकार का विरोध करते हुए अंदेशा जताया था कि अगर मतदाता जागरूक और शिक्षित न हुआ, तो संसदीय लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती. हालांकि वक्त ने इस अंदेशे को हवा में उड़ा दिया. हर नागरिक, जो निर्धारित आयु पूरी कर चुका हो और कुछ विशेष आधारों पर अयोग्य न हो, उसे मतदाता बनने का अधिकार है. शुरुआत में यह आयु 21 वर्ष थी, जिसे 61वें संविधान संशोधन के जरिये घटाकर 18 वर्ष किया गया. इसका मतलब कि देश का अपने लोगों पर यकीन और पक्का हुआ. जमीन से जुड़े विवाद को लेकर इस यकीन को तोड़ा नहीं जा सकता. हां, अतिक्रमण बड़ी समस्या है, पर उससे निपटने का तरीका वह नहीं, जो उत्तराखंड सरकार ने खोजा.

अब 2 बार CBSE बोर्ड परीक्षा

यह बदलाव नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की सिफारिशों के अनुरूप है, जिसमें बोर्ड परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों को तनावमुक्त माहौल प्रदान करने को तवज्जो दी गई है. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दसवीं कक्षा की परीक्षा वर्ष में दो बार आयोजित करने का फैसला विद्यार्थियों के लिए राहत भरा है. सीबीएसई ने शैक्षणिक सत्र 2026 से इस व्यवस्था को लागू करने के लिए मानदंडों को अंतिम मंजूरी दे दी है. यह बदलाव इसलिए भी अहम है, क्योंकि इससे न केवल विद्यार्थियों को अपने अंकों में सुधार करने का एक और मौका मिलेगा, बल्कि पढ़ाई को लेकर उनका तनाव भी कम होगा. परीक्षा का पहला चरण फरवरी और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा. हालांकि, पहले चरण की परीक्षा में शामिल होना विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा, लेकिन दूसरा मौका मिलने से उन पर बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव निश्चित रूप से कम होगा. सीबीएसई का परीक्षा व्यवस्था में यह बदलाव नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की सिफारिशों के अनुरूप है, जिसमें बोर्ड परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों को तनावमुक्त माहौल प्रदान करने को तवज्जो दी गई है. विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिहाज से सीबीएसई के इस फैसले को एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है. दरअसल, दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को परीक्षा का एक और मौका पहले भी मिलता था, लेकिन वह केवल पूरक परीक्षा के लिए होता था. नई व्यवस्था के तहत दूसरे चरण की परीक्षा में विद्यार्थियों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने और अच्छे अंक हासिल करने का मौका मिल सकेगा. जाहिर है कि इससे विद्यार्थियों पर पढ़ाई को लेकर दबाव कम होगा. विद्यार्थी अपनी तैयारी को लेकर यह भी तय कर सकेंगे कि पहले और दूसरे चरण की परीक्षा में किन-किन विषयों पर ध्यान केंद्रित करना है. मसलन, पहली परीक्षा में गणित, अंग्रेजी और विज्ञान पर और दूसरी परीक्षा में अन्य विषयों पर विशेष ध्यान देना है. नई व्यवस्था में भले ही परीक्षा के दो चरण होंगे, लेकिन विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन वर्ष में सिर्फ एक बार किया जाएगा. यह बदलाव भी परीक्षा प्रक्रिया को सरल और अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है.

राशिफल

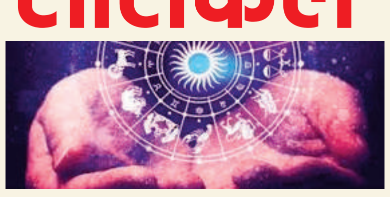

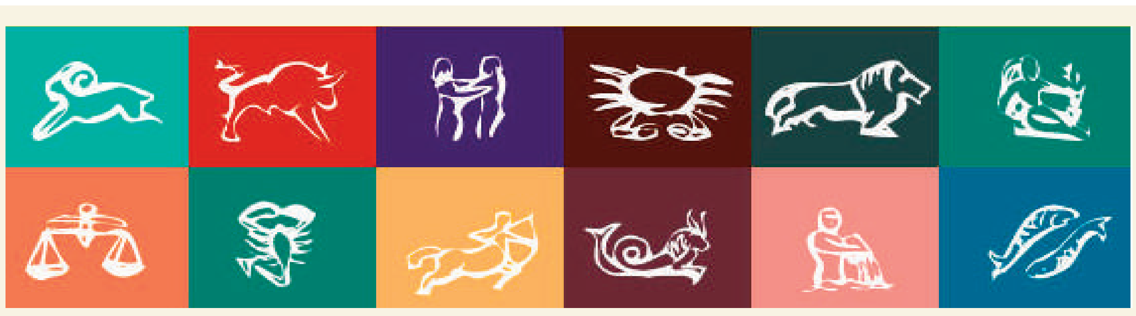

■ **मेष**: आज मेष राशि वाले आपने रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए युगल प्रतियोगिताओं में भाग लें. काम का प्रेशर कम लें. छोटी बचत से शुरुआत करें और देखें कि आपका प्रदर्शन कैसा रहता है. स्थिति में सुधार के लिए आपको कुछ वित्तीय विचारों के साथ प्रयोग करने की आवश्यकता है.

■ **वृषभ**:आज आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा और भविष्य के बारे में सोचना आपके लिए फायदेमंद होगा. आपका प्रेम जीवन समृद्ध रहेगा, जिससे आपको अपने साथी के साथ संवाद करने में आसानी होगी. बेहतर भविष्य के लिए रचनात्मक योजनाएं बनाएं.

■ **मिथुन**: आज आपको अपने रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए किसी बाहरी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है. आप जो कुछ भी चाहते हैं, उसे प्राप्त करना हमेशा संभव नहीं होता है, विशेषकर विलासिता की वस्तुएं. डाइट को हेल्दी रखें.

■ **कर्क**: आज सेहत का ध्यान रखें. अगर आप अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य हैं, तो आपको आय के अन्य स्रोतों के बारे में भी सोचना चाहिए. आपकी प्रतिभा आपके काम आएगी और सभी टास्क में आप आसानी से सफल हो जाएंगे.

■ **सिंह**: सिंह राशि वालों आज आपके लिए अपने रिश्ते को अगले लेवल पर ले जाने का अच्छा समय है. अपने साथी के साथ क्वालिटी टाइम स्पेन्ड करें ताकि आप एक साथ गहरा कनेक्शन स्थापित कर सकें. नियमित रूप से हल्की-फुल्की बातचीत करना जरूरी है.

■ **कन्या**: आज आपका साथी यह ध्यान रखेगा कि आप जीवन में खुश और संतुष्ट रहें. अगर आप अपनी इन्कम को अनावश्यक खर्चों में बर्बाद करेंगे तो आप इमर्जेंसी परिस्थितियों का सामना नहीं कर पाएंगे. बाद के चरण में अपने फाइनेंस को संभालना मुश्किल हो जाएगा.

■ **तुला**: आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा लेकिन आप बहुत ज्यादा पैसे नहीं बचा पाएंगे. बात करने से आपको मानसिक शांति पाने और एक-दूसरे पर और भी अधिक भरोसा करने में मदद मिलेगी. आपके सभी काम पूरे होंगे.

■ **वृश्चिक**: वृश्चिक राशि आज का दिन बेहतरीन साबित हो सकता है. बचत करने की कोशिश करें क्योंकि यह आपके वर्तमान आय के स्तर को बनाए रखने में मदद करेगा. अपने पार्टनर को बेहतर तरीके से जानने के लिए साथ में कुछ अच्छा समय बिताना बेहतर होगा.

■ **धनु**: धनु राशि आज आपका निजी और व्यावसायिक जीवन संतुलित रहेगा. आपको कुछ नया करने का मौका भी मिलेगा. दूसरी ओर, आपको अपने रिश्ते में रोमांस बनाए रखने की जरूरत है ताकि आप दोनों इसे अगले लेवल पर ले जा सकें.

■ **मकर**: मकर राशि आगे की एक नई यात्रा के लिए तैयार हो जाइए. अगर आप शादी के बारे में सोच रहे हैं तो आपको आर्थिक और भावनात्मक तौर पर सोच-विचार करने की जरूरत है. अपने करियर और निजी जीवन को एक साथ संतुलित करने का प्रयास करें.

■ **कुंभ**: कुंभ राशि आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी लेकिन बचत जरूर करें. छोटी बचत से शुरुआत करें और पता करें कि क्या आप अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति को मैनेज करने में सक्षम हैं? आपको जरूरत पड़ने पर पेशेवर मदद लेने की जरूरत है.

■ **मीन**:आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी. अपने पार्टनर के साथ उन मुद्दों पर बात करें, जो आपके रिश्ते में समस्याएं पैदा कर रहे हैं. अगर आप अपने रिश्ते को लेकर बहुत गंभीर हैं तो शादी के बारे में सोचने का यह समय शुभ है.

फिल्म वर्ग पहेली - 377

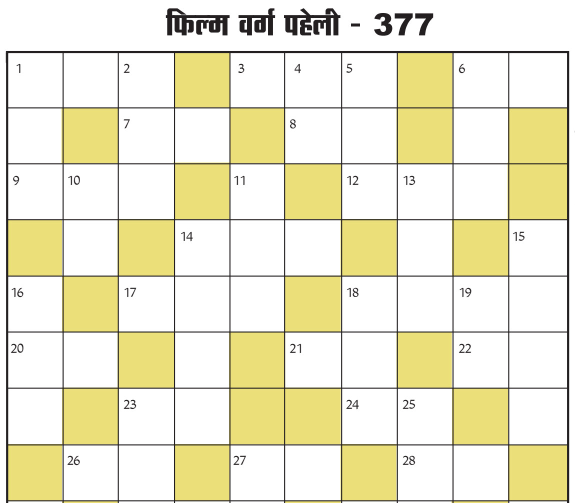

बायें से दायें:-

1. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-3
3. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-3
6. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-2
7. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-2
8. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-2
9. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-3
12. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-3
14. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-3
17. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-3
18. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-4
20. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -2
21. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-2
22. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-2
23. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-2
24.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-2
26. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-2
27. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-2
28. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-2
30. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-3
31. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-2
33. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-3
34. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-3
2. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -3
4. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-2
5. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-3
6. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-3
10. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-2
11. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-3
13. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-3
14. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-4
15. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-4
16. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-3
18. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-3
19. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-2
23. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-4
25. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-3
27 रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-3
29.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-2
31. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-2
32. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली -376 का हल

अ	न	मो	ल		फि	जा		य	श
भ		ह	व	स		न	र्गि	स	
य		ब्ब		नी	ल	म		बॉ	बी
	जी	तें	द्र		ड़ा		जीं	स	
घा	त			आ	ई	ना			मु
त		आ	वा	रा		रा	जा	जा	नी
क	री	ना		ध		ज			म
	ना		बे	ना	म		मौ		जी
हे		दा	ता		हि	रा	स	त	
मा	या		ब	ल	मा		म		माँ

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

अंकजाल - 377

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	25	19	23	■	31	19	16	11	■
14	7		5	■	7		5		24
18		2		■		8		5	25
13	3		2	■	7		4		16
32		7		3		■	■	■	■
■	■	■	■		5		2		21
26		5		7	■	3		4	13
18	5		5		■		4		14
29		8		8	■	6		4	14
■	21	15	16	26	■	21	16	18	■

अंकजाल 376 का हल

■	18	20	22	■	21	20	20	16	■
14	7	2	5	■	7	8	9	5	29
15	4	9	2	■	7	5	8	7	27
16	5	3	8	■	2	7	3	4	16
27	2	6	7	9	3	■	■	■	■
■	■	■	■	7	2	5	2	3	19
26	8	5	6	7	■	3	6	4	13
18	5	2	5	6	■	3	4	7	14
29	8	8	5	8	■	6	4	6	16
■	21	15	16	37	■	17	16	20	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 377

शब्द जाल में 'या' से शुरु होनेवाली 10 हिंदी फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

या	द	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वि	ल	क	या	दों	का	मौ	स	म	ड़
क	स	या	ल	र्म	छ	स	या	दी	ख	क
क	या	ल	र	क	वी	स	र	ल	श	क
क	री	दो	ग	क	ज	र	ग	ग	झ	क
जी	जिं	ल	प	नु	स	उ	द्दा	ण	घ	या
ती	दा	ल	श	सं	प	म	र	कौ	ला	दों
क	बा	या	र	मे	रा	क	फ	ना	श	की
क	द	ल	प	न	क	स	रा	औ	प	क
क	र	ल	प	व	जी	या	ऐ	ओ	प	स
क	क	ल	प	या	द	स	व्य	ब	प	म

यादें, याद, यादगार, यार गद्दार, यार कसम, यार मेरा, यारी जिंदाबाद, याराना,यादों का मौसम, यादों की कसम.

शब्दजाल - 376 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शिक्षा संस्थानों पर ध्यान देना चाहिए

क्यूएस या अन्य किसी भी वैश्विक रेटिंग एजेंसी को भी यह समझना होगा कि देश विशेष की परिस्थितियां भिन्न-भिन्न होती हैं. भारत जैसे देश की तुलना पश्चिमी देशों से नहीं हो सकती. भारत में इतनी विविधता है कि हमारे विश्वविद्यालय एवं अन्य शिक्षा संस्थान विविधता के उत्सव-स्थल हैं. निःसंदेह यह उपलब्धि प्रेरणास्पद है, परंतु हमें यह भी स्वीकारना होगा कि यह सफलता अभी मुख्यतः आइआइटी, कतिपय केंद्रीय विश्वविद्यालयों और चुनिंदा संस्थानों तक ही सीमित है.

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच शिक्षा क्षेत्र में भारत की एक उपलब्धि दबकर सी रह गई. क्यूएस (क्वाक्वेरेली साइमंड्स) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2026 में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है. इस वर्ष इसमें 106 देशों के कुल 1,501 शिक्षा संस्थानों को स्थान मिला, जिनमें 112 संस्थान पहली बार सम्मिलित हुए हैं. भारत के 54 संस्थानों को इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला, जो अब तक का रिकार्ड है. यह संख्या भारत को न केवल जर्मनी (48) और जापान (47) जैसे देशों से आगे ले जाती है, बल्कि इसे अमेरिका, ब्रिटेन और चीन के बाद चौथा सर्वाधिक प्रतिनिधित्व वाला देश भी बना देती है. उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में भारत के केवल 11 संस्थान इस सूची में थे. यानी पिछले एक दशक में भारत ने लगभग पांच गुना वृद्धि दर्ज की है. इस वृद्धि में न केवल कई आइआइटी, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, दिल्ली विश्वविद्यालय, अन्ना विश्वविद्यालय, जेएनयू जैसे पारंपरिक एवं सरकारी संस्थानों-विश्वविद्यालयों ने योगदान दिया है, बल्कि कई निजी विश्वविद्यालयों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है. आठ भारतीय शिक्षा संस्थान पहली बार इस सूची में शामिल हुए हैं. यह भारतीय उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़ती भागीदारी का एक संकेत भी है. इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह वक्तव्य प्रासंगिक प्रतीत होता है, 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए शानदार खबर लेकर आई है.

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य द्वारा यह मुद्रित कर 101/5 गणेश स्नेहल अपार्टमेंट नागपुर-22 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य, *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 0712-7966355, rashtrabaanngp@gmail.com

आतंकवाद पर बलूचिस्तान का जिक्र चाहते थे चीन-पाकिस्तान

राजनाथ ने दस्तखत से किया इनकार

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की बैठक में हिस्सा लिया. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया. राजनाथ सिंह ने न सिर्फ कड़े शब्दों में पहलगाम हमले की निंदा की बल्कि आगे भी आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर जैसे मिशन को अंजाम देने की चेतावनी दी है. रक्षा मंत्री ने SCO के जॉइंट स्टेटमेंट पर दस्तखत न करके चीन और पाकिस्तान की साजिश की भी पोल खोलकर रख दी है.

इस ड्राफ्ट को चीन का भी पूरा समर्थन हासिल था. पाकिस्तान लगातार अपने प्रांत बलूचिस्तान में आजादी की लड़ाई को भारत की तरफ से उकसाया कदम मानता है और भारत पर बलूचिस्तान को अस्थिर करने के झूठे आरोप लगाता रहता है. इसी वजह से वह बलूचिस्तान के बहाने भारत को निशाना बनाने की फिराक में था.

पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र: राजनाथ सिंह को यह बात किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं थी और उन्होंने मसौदे पर दस्तखत करने से साफ इनकार कर दिया. इसके अलावा भारत इस ड्राफ्ट में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र भी चाहता था, जिसे लेकर पाकिस्तान को आपत्ति थी. इसका नतीजा यह हुआ कि SCO मीटिंग के बाद कोई भी जॉइंट स्टेटमेंट या रेजोल्यूशन जारी नहीं किया जा सका.ड्राफ्ट में पाकिस्तान और चीन आतंकवाद के मुद्दे से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे थे, ताकि उन्हें कटघरे में खड़ा न होना पड़े. लेकिन रक्षा मंत्री ने ड्राफ्ट पर साइन करने से मना कर दिया, क्योंकि इससे भारत का रुख कमजोर पड़ सकता था. बैठक के फोटो सेशन के दौरान पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ कतार में राजनाथ सिंह से काफी दूर खड़े दिखे और दोनों के बीच कोई बातचीत नहीं हुई है.

भारत को घेरने की साजिश नाकाम

बैठक के दौरान पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की मौजूदगी में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मजबूती के साथ भारत का पक्ष रखा. साथ ही उन्होंने मीटिंग के बाद SCO के जॉइंट डॉक्यूमेंट पर साइन करने से इनकार कर दिया, क्योंकि इसके बहाने चीन और पाकिस्तान, भारत को घेरने की फिराक में थे. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक SCO के ड्राफ्ट रेजोल्यूशन यानी मसौदा प्रस्ताव में पाकिस्तान आतंकवाद के संदर्भ में बलूचिस्तान का जिक्र करना चाहता था, जिसके बहाने भारत को घेरने की कोशिश हो सके.

शराबी कर रहे हैं विरोध प्रदर्शन

मांगों को लेकर सरकार को दिया अल्टीमेटम

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. हक की आवाज उठाने के लिए एकजुटता जरूरी है. इसलिए लोग तरह-तरह के संगठन भी बनाते हैं. टीचरों का संगठन, बैंकरों का संगठन, स्टूडेंट संगठन, पुलिस एसोसिएशन, डॉक्टरों का संघ. ऐसे में कोई सोच सकता है कि शराब पीने वाले लोग भी अपना एसोसिएशन बना सकते हैं और वो भी अपने हक की लड़ाई के लिए ? अब सोचने वाली बात यह है कि आखिर शराबियों की हक की लड़ाई क्या हो सकती है और उनकी मांग क्या होगी, जिस वजह से उनलोगों को विरोध प्रदर्शन करना पड़ा. ऐसे गजब के काम भी लोग करते हैं, यह कोई मजाक या वायरल होने के लिए किया गया स्टंट नहीं है. वाकई में अफ्रीका के घाना में शराबियों का एसोसिएशन है और इन लोगों ने वहां की सरकार को अपनी मांगों को लेकर अल्टीमेटम भी दिया है.

दरअसल, घाना के राष्ट्रीय मुद्रा सेडी के आश्चर्यजनक मूल्यवृद्धि की वजह से शराब की कीमतों में निरंतर वृद्धि हो रही है. इस लिए शराबी संघ के निराश सदस्यों ने अकरा शहर में मार्च भी निकाला और सरकार से शराब की कीमतें कम करने की मांग की.

घाना में शराबियों का संगठन

घाना में बकायदा शराबियों ने एक संगठन बना रखा है और इनलोगों ने वहां की सरकार से शराब की बढ़ती कीमतों को कम करने की मांग की है. इतना ही नहीं इस संगठन में पूरे देश से 6.6 मिलियन से ज्यादा सदस्य हैं. पिछले सप्ताह एक्स (ट्विटर) पर एक वायरल पोस्ट में इस संघ के अध्यक्ष, मोसेस ओन्याह, जिन्हें प्यार से बाकी लोग 'ड्राई बोन' कहते हैं, उन्होंने शराब की बढ़ती की कीमतों की निंदा की.

फास्ट ट्रैक

फर्जी ऐप के जरिए 36 लाख की ठगी

राष्ट्रबाण

कोलकाता.पश्चिम बंगाल सीआईडी ने एक फिल्म निर्माता को 36 लाख रुपये के निवेश घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी का नाम प्रोसेनजीत रंजन नाथ है. एक सूत्र ने बताया, '36 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले की जांच के दौरान यह बात सामने निकलकर आई कि प्रोसेनजीत घोटाले के रैकेट में सीधे तौर पर शामिल था और घोटाले की कुल रकम में से करीब 18 लाख रुपये सीधे तौर पर प्रोसेनजीत के बैंक खाते में जमा हुए थे.' इस मामले में कुछ और लोग भी सीआईडी की जांच के दायरे में हैं.

कैसे हुआ था घोटाला?

यह घोटाला कुछ साल पहले एक लोकप्रिय निवेश ऐप की नकल करके बनाए गए मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए हुआ था. शिकायतकर्ता को फेसबुक पर एक विज्ञापन के माध्यम से ऐप के बारे में जानकारी मिली. फिर उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां शेयर बाजार में निवेश कर मुनाफा कमाने का लालच दिया गया. इस ऐप के लाभार्थी होने का दावा करने वाले कुछ लोगों के बारे में कई फ़र्जी कहानियों को पढ़ने के बाद, वह ऐप के ज़रिए शेयर बाज़ार में निवेश करने के लिए तैयार हो गया. ऐप डाउनलोड करने के बाद उसने कुछ महीनों में कुल 36 लाख रुपये निवेश किए.सूत्र का दावा है कि शुरुआत से ही उसे अपने ऐप में ज्यादा मुनाफा दिखने लगा जिसके बाद वह और निवेश करने के लिए प्रेरित हुआ. निवेश करते-करते उसने कुछ ही महीनों के दौरान 36 लाख रुपये निवेश कर दिए. इसके बाद उसे पहला संदेह तब हुआ जब उसने कुछ मुनाफा वापस निकालने की कोशिश की, यानि प्रॉफिट बुक करने की कोशिश की लेकिन वह बार-बार असफल रहा. अंततः उसे समझ आ गया कि वह जाल में फंस गया है.अंततः उसने ठगी का एहसास कर बरासात साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई. कोलकाता हाईकोर्ट ने बाद में जांच सीआईडी को सौंप दी.

भोपाल के 90 डिग्री मोड़ वाले ब्रिज पर CM मोहन यादव सख्त

बोले- जिम्मेदारों के खिलाफ एक्शन लेंगे, फॉल्ट को किया जाएगा दुरूस्त

राष्ट्रबाण

भोपाल. मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 90 डिग्री मोड़ वाले रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में तकनीकी खामियों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि तकनीकी खामियों को दूर करने के बाद ही ओवरब्रिज का उद्घाटन किया जाएगा.

दरअसल, राज्य की राजधानी में ऐशबाग स्टेडियम के पास बना रेलवे ओवरब्रिज (ROB) आलोचना और उपहास का विषय बन गया है, स्थानीय निवासियों और नेटिज़न्स ने इसके डिज़ाइन पर सवाल उठाए हैं. संभावित जोखिमों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वाहनों को इसके असामान्य 90 डिग्री मोड़ से गुजरना मुश्किल होगा. CM यादव ने एक बयान में कहा, ऐशबाग आरओबी के निर्माण कार्य में तकनीकी खामियों को दूर किया जाएगा. इनके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.उन्होंने कहा कि आरओबी में तकनीकी खामियों को दूर करने का काम शुरू हो गया है और काम पूरा होने के बाद ही इसका उद्घाटन किया जाएगा.

PWD अधिकारियों ने कहा कि अगर थोड़ी अतिरिक्त जमीन उपलब्ध हो जाए तो 90 डिग्री के शार्प मोड़ को कर्व में बदला जा सकता है. मार्च 2023 में आरओबी का निर्माण शुरू होने से पहले सरकार ने कहा था कि इसके चालू हो जाने पर ऐशबाग क्षेत्र के लोगों को न तो रेलवे क्रॉसिंग पर इंतजार करना पड़ेगा और न ही लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा और इससे हर दिन करीब तीन लाख लोगों को फायदा होगा. हालांकि, इसके 90 डिग्री के मोड़ के कारण, सोशल मीडिया यूजर्स के साथ-साथ स्थानीय निवासियों ने कहा कि दोषपूर्ण डिजाइन दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है क्योंकि इसके तीखे कोण के कारण वाहनों को मोड़ से गुजरना मुश्किल होगा.

कथावाचक कांड के बाद इटावा के दांदरपुर में बवाल!

अहीर रेजिमेंट' के लोगों की पुलिस से झड़प

राष्ट्रबाण

इटावा. यूपी के इटावा में माहौल तनावपूर्ण हो गया है. यादव कथावाचकों से बदसलूकी के मामले में 'अहीर रेजिमेंट' के लोग भारी संख्या में दांदरपुर गांव पहुंचने की कोशिश कर रहे थे. पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो भीड़ ने उनपर पथराव कर दिया. जिसके चलते पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा.

हालात ऐसे हो गए कि दारोगा को कई राउंड हवाई फायरिंग भी करनी पड़ी. घटना का वीडियो सामने आया है. पत्थरबाजी में पुलिस की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई. मौके पर भारी फोर्स मौजूद है. फिलहाल, शांति-व्यवस्था कायम है. आइए जानते हैं पूरा मामला...

हाल ही में दांदरपुर गांव में यादव कथावाचकों से बदसलूकी हुई थी. इसको लेकर ब्राह्मण और यादव पक्ष के लोगों आमने-सामने हैं. इसी बीच आज गगन यादव की अगुवाई में 'अहीर रेजिमेंट' के लोग गांव में घुस रहे थे. पुलिस फोर्स ने उन्हें रोका तो भीड़ भड़क उठी और पुलिस पर ही पथराव शुरू कर दिया. भीड़ में शामिल कुछ युवकों ने लाठी-डंडे और ईंट-पत्थरों से पुलिस की गाड़ी भी तोड़ डाली. ऐसे में पुलिस को अपने बचाव में हवाई फायरिंग करनी पड़ी.हालांकि, इस दौरान पुलिस फोर्स कुछ देर के लिए बैकफुट पर आती दिखी. लेकिन सीनियर अधिकारियों ने मोर्चा संभाला तो उपद्रवी पीछे हटे. पुलिस ने दौड़ाकर कई उपद्रवियों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया. पुलिस एक्शन के बाद भीड़ तितर-बितर हो गई. लोग इधर-उधर भागते नजर आए. अब पुलिस वीडियो के माध्यम से फरार उपद्रवियों को खोज रही है. मामले में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, श्रीशचंद्र ने बताया कि कुछ लोगों के द्वारा उपद्रव करने की कोशिश की गई थी. हालांकि, तत्काल ही इन सबको नियंत्रण में कर लिया गया. शांति-व्यवस्था कायम है. दर्जन भर लोगों को गिरफ्तार किया गया है. कानून के अनुसार इनपर कार्रवाई की जाएगी. पुलिस ने कोई एक्शन नहीं किया. गांव के बाहर फोर्स पहले से तैनात थी. तभी सड़क पर कुछ लोग उतर आए और अशांति फैलाने की कोशिश की. जिसके बाद पुलिस ने उन्हें काबू में किया. कुछ गाड़ियां भी सीज की गई हैं.

दांदरपुर गांव में 21 जून को कथावाचक मुकुट मणि यादव और उनके साथी संत कुमार यादव के साथ दुर्व्यवहार किया गया था. मारपीट के बाद संत यादव का सिर भी मुड़वा दिया गया था. आरोप था कि इन्होंने जाति छिपाकर कथा कही और महिला से छेड़खानी की. वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने 23 जून को गांव के चार आरोपी ब्राह्मण युवकों को गिरफ्तार कर लिया. फिर इसके बाद कथा आयोजक पक्ष ने कथावाचकों पर भी रिपोर्ट दर्ज करा दी. मामले में अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार को घेरा था. पीड़ित कथावाचकों को सम्मानित भी किया.

'भजनलाल शर्मा को CM पद से हटाने की चल रही बड़ी साजिश...'

अशोक गहलोत का दावा

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. राजस्थान की सियासत एक बार फिर गरमा गई है. राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने मौजूदा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर गंभीर दावे किए हैं. गहलोत ने दावा किया है कि शर्मा को मुख्यमंत्री पद से हटाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर ही एक भयंकर षड्यंत्र रचा जा रहा है.

मीडिया से बातचीत में अशोक गहलोत ने कहा, अभी तो इनके खिलाफ में इनके पार्टी के लोग लग चुके हैं, दिल्ली में भी और राजस्थान के अंदर भी. भयंकर षड्यंत्र चल रहा है इनको हटाने का, ये समझ नहीं पा रहे हैं.₹ गहलोत ने यह भी कहा कि उन्होंने खुद शर्मा के हित में यह सलाह दी है कि उन्हें बनाए रखना चाहिए, क्योंकि एक युवा नेता को पहली बार मौका मिला है और वह सीधे मुख्यमंत्री बन गए हैं, यह बहुत बड़ी बात है. तारीफ करने वाले लोग ज्यादा इसलिए सच्चाई पता नहीं चल रही! अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री के चारों ओर के माहौल पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि शर्मा के इर्द-गिर्द तारीफ करने वालों का घेरा बना हुआ है, जिससे उन्हें असली हालात की जानकारी नहीं मिल पा रही है. पूर्व सीएम ने कहा,अब जो इनके चारों ओर जो घेरा बना लिया है इन्होंने, वो इनकी तारीफों के पुल बांध रहा होगा कि अच्छी सरकार चल रही है, तो इनको समझ में आ नहीं रही है.

पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि वह राजनीतिक आलोचना नहीं कर रहे, बल्कि सिर्फ जनता की बात सामने रख रहे हैं. गहलोत ने आगे कहा, ₹हम आलोचना करते हैं तो वो खाली फीडबैक के आधार पर है. अभी तो साल डेढ़ साल हुआ है, हम क्या राजनीतिक आलोचना करेंगे? उन्होंने कहा कि जनता सरकार की योजनाओं के बंद होने और समस्याओं को लेकर परेशान है, और उनकी पार्टी सिर्फ वही मुद्दे उठा रही है.गौरतलब है कि अशोक गहलोत के कार्यकाल (2018–2023) में भी उन्होंने कई बार यह दावा किया था कि कांग्रेस की सरकार को गिराने की साजिश की जा रही है. उस समय गहलोत और सचिन पायलट के बीच राजनीतिक खींचतान की खबरें भी लगातार चर्चा में थीं. अब एक बार फिर गहलोत के ताजा बयान से राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है.

शुभांशु के ISS पहुंच ते ही मां हुईं भावुक

पिता बोले- दुआओं के लिए सबका धन्यवाद

राष्ट्रबाण

लखनऊ. भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने गुरुवार को इतिहास रच दिया जब वे अंतर-राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बन गए.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस सफलता पर शुभांशु और पूरी Ax-4 टीम को बधाई दी और इसे भारत के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष कद का प्रतीक बताया. इस ऐतिहासिक पल को देखने के लिए लखनऊ स्थित शुभांशु शुक्ला के स्कूल में लाइव डॉकिंग का लाइव टेलीकास्ट किया गया. इस दौरान शुक्ला के माता-पिता, शिक्षकों समेत कई रिश्तेदार मौजूद रहे. परिवार का कहना है कि ये पल उनके लिए बेहद खास है और वे चाहते हैं कि शुभांशु सुरक्षित लौटे और परिवार के साथ यह गौरव साझा करें.

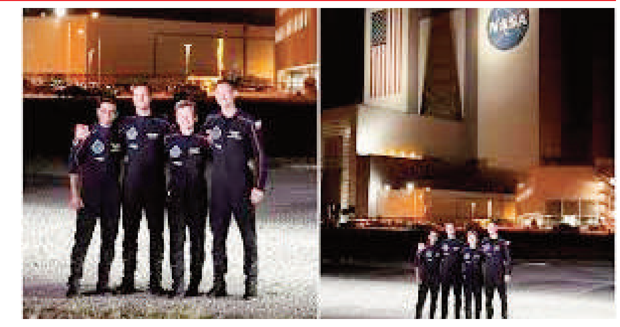

इस सफलता के लिए बेटे पर गर्वः शुक्ला के पिता

वहीं उनके पिता ने भावुक होते हुए कहा, ये हमारे लिए गर्व का पल है. दुआओं और समर्थन के लिए हम सबका धन्यवाद करते हैं. हमें बहुत खुशी है. सफल डॉकिंग हुई है. भगवान का शुक्रिया करते हैं. ये बहुत अहम पड़ाव था. जिस तरह से मेहनत करके उनसे सफलता हासिल की है, उसके लिए बेटे पर गर्व है. हमारा बेटा शुरू से ही तेज रहा है. इस स्कूल ने बहुत सिखाया है उसे. पूरी तरह अपने आप को गौरव शाली मान रहे हैं. उसकी उपलब्धि हमारी उपलब्धि है.उन्होंने आगे कहा कि बेटा एयरफोर्स में जब कहीं दूर जाता था तो कम से कम पृथ्वी पर ही रहता था. अब तो अंतरिक्ष में है. अब तो बस जब उधर से आयेगा तभी बात कर पाएंगे. उसका 2019 से खाना पीना छूटा हुआ है. उसकी चिंता नहीं है. वह सब मैनेज कर लेता है. बच्चे के लिए हमारा यही संदेश है कि पूरे आत्मविश्वास से अपना काम करे. फिर आकर हमसे मिले.शुक्ला के स्कूल में बच्चों और शिक्षकों ने इस मौके पर उत्साह के साथ लाइव टेलीकास्ट देखा.

दावा ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने कहा

जायोनिस्ट को कुचला और अमेरिका को मारा तमाचा

राष्ट्रबाण

तेहरान. ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने बृहस्पतिवार को इजरायल से छिड़ी जंग के बाद पहली बार अपने देश वासियों को संबोधित किया. उन्होंने देश को इजरायल पर जीत की बधाई दी. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, झूठे यहूदियों के शासन पर जीत की बधाई₹. इसके बाद उन्होंने अमेरिका पर भी जीत का दावा किया. खामेनेई ने कहा कि हमने अमेरिका के मुंह पर जोरदार तमाचा मारा और इजरायल को कुचल दिया.

इजरायल को बूट से कुचलने वाली प्रतीकात्मक फोटो पोस्ट किया

खामेनेई ने कहा, ₹इतने सारे शोर-शराबे और दावों के बावजूद, ज़ायनिस्ट शासन इस्लामी गणराज्य के प्रहारों के आगे लगभग ढह चुका है और पूरी तरह से कुचल दिया गया है.₹ इस दौरान उन्होंने इजरायल को कुचलने के लिए प्रतीकात्मक रूप में एक बूट की एआई इमेज भी पोस्ट की.

अमेरिका के जलते हुए झंडे की एआई इमेज पोस्ट कर लिखा ये संदेश

खामनेई ने अपने संबोधन के दौरान अमेरिका के जलते हुए झंडे की एआई इमेज पोस्ट की और संदेश में लिखा, हमने कभी किसी के अधिकारों का उल्लंघन नहीं किया है,

और न ही हम कभी किसी को हमारे अधिकारों का उल्लंघन करने देंगे, और न ही हम किसी के अत्याचार के सामने आत्मसमर्पण करेंगे;

यही ईरानी राष्ट्र का तर्क हैजायनिस्ट शासन को कुचला

खामेनेई ने ट्वीट में लिखा, मैं ईरान के महान राष्ट्र को कुछ बधाइयां देना आवश्यक समझता हूँ. पहली; नकली ज़ायनिस्ट शासन पर मिली जीत के लिए बधाई. दूसरी इतने शोर-शराबे और दावों के बावजूद, ज़ायनिस्ट शासन इस्लामी गणराज्य के प्रहारों के सामने लगभग ढह चुका है और कुचल दिया गया है.

अमेरिकी हमले पर क्या बोले खामेनेई

ईरान के सर्वोच्च नेता ने कहा, ₹हमारे परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिका के हमलों से कोई विशेष नुकसान नहीं हुआ.₹ ₹वॉशिंगटन ने इज़रायल को पतन से बचाने के लिए युद्ध में प्रवेश किया.₹ ₹इज़रायलियों को यह समझ आ गया कि अपनी अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के बावजूद, ईरान पर हमला करना उनके लिए असहनीय कीमत वाला साबित हुआ है.**ट्रंप के आत्मसमर्पण वाले बयान पर खामेनेई ने किया ये ट्वीट**

खामेनेई ने ट्रंप द्वारा ईरान को आत्म-समर्पण करने वाले बयान पर भी ट्वीट किया. उन्होंने लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ₹ईरान को आत्मसमर्पण करना होगा.₹ यह कहने की आवश्यकता नहीं कि यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति के मुंह से निकले के लिए बहुत बड़ा और अतिरंजित है.

अमेरिका पर भी जीत का दावा

एक अन्य ट्वीट में खामेनेई ने लिखा, मैं हमारे प्रिय ईरान को अमेरिकी शासन पर जीत की दूसरी बधाई देता हूं. अमेरिकी शासन ने सीधे युद्ध में इसलिए प्रवेश किया, क्योंकि उसे लगा कि अगर उसने ऐसा नहीं किया, तो ज़ायनिस्ट शासन पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा. हालांकि, इस युद्ध से उसे कुछ भी हासिल नहीं हुआ. यहां भी, इस्लामी गणराज्य विजयी रहा और बदले में अमेरिका के चेहरे पर ज़ोरदार तमाचा मारा.

खामेनेई ने तीसरी बधाई में क्या कहा?

खामेनेई ने देश के नाम किए संबोधन के दौरान तीसरी बधाई, ईरान की असाधारण एकता के लिए दी. उन्होंने कहा कि लगभग 9 करोड़ की जनसंख्या वाला यह राष्ट्र एकजुट होकर, एक स्वर में, कंधे से कंधा मिलाकर, अपने सशस्त्र बलों के साथ खड़ा रहा. ईरान_राष्ट्र ने अपने विशिष्ट चरित्र का प्रदर्शन किया और दिखा दिया कि जब ज़रूरत पड़े, तो यह राष्ट्र एक आवाज़ बनकर सुना जाएगा.

OBC लिस्ट पर कलकत्ता हाईकोर्ट की अंतरिम रोक

बंगाल सरकार ने सुको में दी कानूनी चुनौती

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा जारी की गई नई ओबीसी (अनु-सूचित जाति) सूची पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया. इस अधिसूचना में कुल 140 उप-श्रेणियां जोड़ी गई थीं, जिनमें 80 मुस्लिम और 60 गैर-मुस्लिम उप-समूह शामिल थे. उच्च न्यायालय ने इस नई सूची को अस्वीकार करते हुए पिछली 113 समूहों वाली सूची को रद्द कर दिया है. इस मामले की अगली सुनवाई 31 जुलाई को निर्धारित की गई है. बंगाल सरकार द्वारा पहले जो सूची जारी की गई थी, उसमें कुल 113 ओबीसी उप-समूह शामिल थे. लेकिन हालिया अधिसूचना में इस संख्या को बढ़ाकर 140 कर दिया गया, जिससे कई नए उप-समूहों को ओबीसी श्रेणी में शामिल किया गया. इस कदम को लेकर कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसके बाद उच्च न्यायालय ने इस अधिसूचना पर रोक लगाने का आदेश दिया. इसके साथ ही, उच्च न्यायालय ने पिछली सूची से संबंधित सभी सरकारी आदेशों को भी निलंबित कर दिया है. ओबीसी जाति प्रमाणपत्र आवेदन प्रक्रिया को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है, जब तक कि अगली सुनवाई नहीं हो जाती.पश्चिम बंगाल सरकार ने इस सूची को सामाजिक न्याय और पिछड़े वर्गों के प्रतिनिधित्व को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तैयार किया था. हालांकि, न्यायालय ने कहा है कि इस विषय पर विस्तारपूर्वक जांच और सुनवाई आवश्यक है, ताकि किसी भी पक्ष को न्याय मिले और समाज में समानता बनी रहे.

महाराष्ट्र में शरद पवार को बड़ा झटका

अजित पवार गुट ने जीता मालेगांव सहकारी चीनी मिल चुनाव

राष्ट्रबाण

पुणे : विधानसभा चुनाव के बाद अजित पवार ने अब चाचा शरद पवार को चीनी मिल के चुनाव में झटका दिया है. एनसीपी के दोनों धड़ों के मेल मिलाप पर ब्रेक लगने के बाद महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने मालेगांव सहकारी क्षेत्र में अपना दबदबा दिखाया है. बुधवार रात को आए नतीजों में अजित पवार के पैनल ने 21 में से 20 सीटें जीतकर लगभग क्लीन स्वीप किया. वहीं शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) समर्थित पैनल एक भी सीट नहीं जीत सका. अजित के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी चंद्रराव तावरे के पैनल को सिर्फ एक सीट मिली.

चीनी मिल की राजनीति में अजित का दबदबा

इस बार मालेगांव सहकारी चीनी मिल का चुनाव प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गया. चुनाव से पहले डिप्टी सीएम अजित पवार ने घोषणा की थी कि वे चीनी मिल के अध्यक्ष बनेंगे. बुधवार को मिली शानदार जीत ने उनके लिए पवार फैमिली के गढ़ माने जाने वाले बारामती तहसील में नेतृत्व करने का रास्ता खोल दिया. मालेगांव चीनी मिल के लिए 22 जून को मतपत्रों पर चुनाव हुआ था. वोटों की गिनती मंगलवार सुबह 9 बजे शुरू हुई और 36 घंटे तक चली, जिसके बाद सभी 21 सीटों के अंतिम परिणाम सामने आए.

दशकों तक रहा शरद पवार का वर्चस्व

अजित पवार की जीत के बाद उनके समर्थकों ने जमकर जश्न मनाया. इस जीत से सहकारी क्षेत्र में अजित पवार का दबदबा और बढ़ गया है. एनसीपी कार्यकर्ता और अजित पवार के चुनाव प्रभारी किरण गुजर ने कहा कि यह परिणाम उनके लिए आश्चर्यजनक

नहीं रहा. अजित पवार के नेतृत्व वाले पैनल को कोई चुनौती नहीं थी. इस परिणाम ने एक बार फिर अजित पवार के नेतृत्व पर मुहर लगाई है. बता दें सहकारी क्षेत्र में शरद पवार का कई दशकों तक दबदबा रहा है.

युगेंद्र पवार बोले, ऐसी उम्मीद नहीं थी

शरद पवार के पोते युगेंद्र पवार ने कहा कि रिजल्ट निराशाजनक है, लेकिन अप्रत्याशित नहीं है. यह एक सच्चाई है कि हम अजित पवार के पैनल के साथ सीट-बंटवारे की चर्चा में थे. हमें उम्मीद थी कि हमें उनके पैनल में तीन से चार सीटें मिलेंगी, लेकिन नामांकन वापस लेने के अंतिम दिन डिप्टी सीएम के पैनल ने बिना किसी सीट को छोड़े अपने सभी 21 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी. हमें अंतिम समय में अपने पैनल की घोषणा करनी पड़ी. युगेन्द्र पवार ने कहा कि चुनाव लड़ने का फैसला पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने और यह संकेत देने के लिए था कि हम किसी भी मुकाबले से भाग नहीं रहे हैं.

तावरे फैमिली ने लगाए आरोप

इस बीच, तावरे परिवार के नेतृत्व वाले पैनल ने आरोप लगाया कि डिप्टी सीएम ने चुनाव जीतने के लिए अपनी ताकत का दुरुपयोग किया. रंजन तावरे ने कहा कि भले ही उन्होंने केवल एक सीट जीती, लेकिन हमारी चुनौती ने अजित पवार को अपना सारा काम छोड़कर एक सप्ताह के लिए बारामती में डेरा डालने पर मजबूर कर दिया. अजित पवार ने एक सहकारी चीनी मिल के चुनाव के लिए 18 रैलियां कीं और अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया.

विधानसभा का मानसून सत्र 30 जून से मुंबई में होगा शुरू

राष्ट्रबाण

मुंबई. विधान मामलों की सलाहकार समिति की बैठक में घोषणा की गई कि महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून सत्र 30 जून से 18 जुलाई तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा. विधान सभा सचिव जितेन्द्र भोले ने कार्यवाही की जानकारी दी.

विधान भवन में आयोजित विधान मामलों की सलाहकार समिति की बैठक में विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधान सभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरहे, विधान सभा के उपसभापति अन्ना बनसोडे, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री आशीष शेलार, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, विधानसभा सदस्य दीपक केसरकर, भास्कर जाधव, नितिन राउत, जितेंद्र आव्हाड, अमीन पटेल, विधान परिषद सदस्य भाई जगताप, प्रवीण दारेकर, प्रसाद लाड, श्रीकांत भारती और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे. बैठक में सत्र की योजना पर चर्चा की गई.

फास्ट ट्रैक

आठवीं के छात्र ने ली दसवीं के स्टूडेंट की जान

राष्ट्रबाण

अहिल्यानगर. महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में आठवीं कक्षा के छात्र द्वारा दसवीं कक्षा के स्टूडेंट की हत्या से हड़कंप मच गया है. अहिल्यानगर के सर्जेपुरा इलाके में रहने वाले दोनों छात्र एक ही स्कूल सीताराम सारड़ा स्कूल में पढ़ते थे. सर्जेपुरा की गली में क्रिकेट खेलने को लेकर दोनों के बीच पहले झगड़ा हुआ था.

उसी रंजिश को दिल में रखकर आठवीं के छात्र ने स्कूल में ही दसवीं के छात्र पर पेट और गर्दन पर चाकू से वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई. विशेष बात यह है कि दोनों ही नाबालिग थे, इसलिए पुलिस ने 13 वर्षीय आठवीं कक्षा के छात्र को हिरासत में ले लिया.यह पूरा मामला तब का है, जब एक दिन क्रिकेट को लेकर गली में ही दोनों छात्रों के बीच विवाद हुआ था. साथ ही यह भी पता चला है कि दोनों छात्रों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे और पिछले साल मृतक छात्र के परिजनों ने जिले के तोफखाना पुलिस थाने में इसकी शिकायत भी दर्ज करवाई थी.बुधवार को स्कूल में दोपहर लंच के दौरान दसवीं का छात्र टिफिन खा रहा था, तभी वहां आठवीं का छात्र आया. आपस में दोनों की नजरें मिलीं और क्या देख रहा है. तभी बहस होते-होते दोनों के बीच फिर से झगड़ा शुरू हो गया.इसी दौरान आठवीं के छात्र ने आपने पास में रखा चाकू निकालकर उसके पेट और गर्दन पर वार कर दिया, जिससे दसवीं कक्षा के छात्र की मौके पर ही मौत हो गई. इस मामले में पुलिस ने आठवीं कक्षा के नाबालिग छात्र को हिरासत में ले लिया और आगे की जांच की जा रही है.

बीजेपी विधायक बबनराव का विवादित बयान

'गाली देने वाले लौंडों की मां का...'

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र की सियासत में जुबानी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है. कभी भाषा को लेकर, तो कभी किसी और मुद्दे को लेकर बयानबाजी तेज हो रही है. इसी बीच बीजेपी विधायक बबनराव लोनीकर का एक बयान राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा रहा है. जालना जिले के परतुर में एक सौर ऊर्जा परियोजना के उद्घाटन के दौरान उन्होंने ऐसा बयान दिया, जिसे लेकर विपक्ष हमलावर हो गया है और सोशल मीडिया पर भी उनकी आलोचना की जा रही है.

बबनराव लोनीकर ने क्या कहा ?

विधायक लोनीकर ने अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के

समर्थक होने पर उठाए जा रहे सवालों पर गुस्सा जाहिर किया. उन्होंने कहा, "कुछ खाली दिमाग वाले युवा मुझे, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अंधभक्त कहते हैं. मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि मुझे गाली देने वाले लौंडों की मां का वेतन और पिता की पेंशन का भुगतान भी सरकार द्वारा किया जा रहा है." लोनीकर ने अपने बयान में आगे कहा, 'जो लोग सोशल मीडिया पर मेरे खिलाफ लिख और बोल रहे हैं उनके पिता को नरेंद्र मोदी ने बुवाई हेतु 6 हजार रुपये दिए. आपके तन पर जो कपड़े हैं, पैरों में जो चप्पल-जूते हैं, वह सब सरकार की देन है.

पहले भी दे चुके हैं विवादित बयान

हालांकि यह पहली बार नहीं है जब लोनीकर अपनी भाषा को लेकर विवादों में घिरे हों. इससे पहले भी वे कई बार अपने बयानों को लेकर आलोचना झेल चुके हैं. लेकिन, इस बार उन्होंने जिस तरह से युवाओं और उनके परिवारों को निशाने पर लिया, उससे राजनीतिक माहौल गरमा गया है.

'किसानों का बिल वापस हुआ क्योंकि...',

वक्फ कानून पर सपा विधायक अबू आजमी की मुसलमानों से बड़ी अपील

राष्ट्रबाण

मुंबई. वक्फ कानून पर सपा विधायक अबू आजमी ने कहा कि आप सबको मालूम है कि ये बिल मुसलमानों के खिलाफ है. हमें करना क्या है, हमें उस पर अपनी बात रखनी है. क्या किया जाए कि ये बिल पास हो? अगर हम कहते हैं कि किसानों को बिल वापस हुआ तो किसान कई महीनों तक सर्दी में धरने पर बैठे थे. 750 किसान शहीद हो गए. उन्होंने अपनी बात मनवाई और बिल वापस हुआ.अबू आजमी ने कहा, ?देश के अंदर कितना बड़ा संघर्ष हुआ. क्या

हम सब उसके लिए तैयार हैं? अगर आप सब उसी तरह तैयार हैं तो मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि इस वक्फ बिल को सरकार को वापस लेना ही पड़ेगा. इसके अलावा कोई और रास्ता नहीं है.सपा विधायक ने आगे कहा, 2014 के बाद मुसलमानों से हिंदुस्तान में जमीन तक ली जा रही हैं. मोहन भागवत साहब ने कहा कि हमारे देश में नाम और धर्म पूछकर नहीं मारा जाता. एक पुलिसवाला ट्रेन के अंदर तीन मुसलमानों को गोली मारकर उनके बदन पर पैर रखकर कहता है कि इस मुल्क में रहना है तो मोदी और योगी कहना पड़ेगा. एक स्कूल की टीचर एक बच्चे को खड़ा करती है और दूसरे बच्चों से कहती है कि इसको मारो.

'संविधान सिर्फ किताब में लिखने के लिए रह गया है'

अबू आजमी ने कहा कि संविधान सिर्फ किताब में लिखने के लिए रह गया है. उन्होंने आरोप लगाया कि मुसलमानों के खिलाफ इतनी चीजें हो रही हैं लेकिन उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही है. लाउडस्पीकर को उतारा जा रहा है. मस्जिदों के बाहर नमाज नहीं पढ़ सकते. कितने चीजें गिनाई जाएं?

पोते ने दादी को जंगल में छोड़ा

अस्पताल ने भी बरती थी,आयोग ने शुरू की जांच

राष्ट्रबाण

मुंबई. मुंबई के आरे जंगल में अपनी 80 साल की दादी को छोड़कर फरार होने वाले पोते और अन्य दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया, फिर नोटिस देकर छोड़ दिया है. यह मामला तब सामने आया, जब पीड़िता जंगल में अकेली और लाचार हालत में पाई गई. पुलिस टीम ने उसे बचाया.इस मामले में 33 साल के सागर शेवाले, रिक्शा चालक 27 वर्षीय संजय कड़रेशम और पीड़िता के देवर 70 वर्षीय बाबासाहेब गायकवाड़ को पुलिस ने हिरासत में लिया. तीनों पर आरोप है कि इन्होंने मिलकर वृद्ध महिला को 22 जून की सुबह करीब 3 बजे आरे के जंगलों में छोड़ दिया था.शुरुआत में सागर शेवाले ने पुलिस को गुमराह किया और बताया कि उसकी दादी खुद घर से कहीं चली गईं, लेकिन पुलिस ने जांच जारी रखी और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सच सामने आ गया. फुटेज में दिखा कि सागर, पीड़िता के देवर और रिक्शा चालक के साथ 21 जून की रात उन्हें शताब्दी अस्पताल ले गए थे, लेकिन वहां उन्हें भर्ती नहीं कराया गया.पुलिस जांच में सामने आया कि वृद्धा मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं और कुछ दिनों से परिजन उनको लेकर परेशान हो चुके थे. कथित रूप से वह चीख-चिल्ला रही थीं और अटैक करने की कोशिश कर रही थीं. इससे परेशान होकर सागर और उसके परिजनों ने यह अमानवीय कदम उठाया.

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- 'अदालत का समय बर्बाद किया'

चुनाव में धांधली से जुड़ी याचिका खारिज

राष्ट्रबाण

मुंबई. बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई कथित गड़बड़ियों की याचिका को खारिज कर दिया है. सुनवाई के बाद कोर्ट ने चेतन अहिरे की ओर से लगाए गए आरोपों को निराधार बताया . बेंच ने कहा कि अहिरे ने जो दावे किए हैं, उनके समर्थन में कोई सबूत नहीं है. अहिरे के वकील प्रकाश आंबेडकर ने आरोप लगाया था कि वोटिंग के आधिकारिक समय के बाद कई वोट डाले गए. कोर्ट ने कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है और इससे कोर्ट का समय बर्बाद हुआ है.

कोर्ट की टिप्पणी, अहिरे ने किए हास्यास्पद दावे

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई कथित अनियमितताओं की याचिका को खारिज कर दिया. इस चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति की सरकार बनी थी. इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस जी. एस. कुलकर्णी और जस्टिस आरिफ डॉक्टर की बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता चेतन अहिरे ने बिना किसी सबूत के हास्यास्पद दावे किए हैं.अहिरे का पक्ष करते हुए उनके वकील प्रकाश आंबेडकर ने दावा किया था कि 75 लाख वोट शाम 6 बजे के बाद डाले गए. वोटिंग का आधिकारिक समय शाम 6 बजे तक था. उन्होंने लगभग 95 विधानसभा क्षेत्रों में डाले गए और गिने गए वोटों के बीच धांधली का भी आरोप लगाया. उन्होंने मांग की कि चुनावों को शून्य और अमान्य घोषित किया जाए. प्रकाश आंबेडकर वंचित बहुजन अघाड़ी के प्रमुख भी हैं. दलील सुनने के बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी.

जस्टिस कुलकर्णी ने कहा कि हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस याचिका को खारिज करने की जरूरत है. इस याचिका को सुनने में इस कोर्ट का पूरा दिन बर्बाद हो गया. हमारी राय है कि जुर्माना लगाया जाना चाहिए, लेकिन हम ऐसा करने से

'भाषाई आपातकाल लगाया जा रहा है, हिंदी कोई बड़ी बात नहीं लेकिन..'

उद्धव ठाकरे भी मैदान में उतरे

राष्ट्रबाण

मुंबई. हिंदी भाषा की अनिवार्यता का मुद्दा अब सुलगता हुआ नजर आ रहा है. मनसे के बाद अब ठाकरे सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने इसके खिलाफ मैदान में उतरने का फैसला किया है. इस भाषा के बल पर बोलते हुए उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एका शिंदे पर निशाना साधा है. उद्धव ठाकरे ने कहा है कि वह सभी शिक्षकों के बीच नमक या जहर फेंक रहे हैं. यह मुद्दा पांच मिनट में खत्म नहीं होगा. अगर मुख्यमंत्री यह घोषणा करते हैं कि वह अपने राज्य में हिंदी को लागू नहीं करेंगे या होने नहीं देंगे तो उनके लिए प्रेजेंटेशन देने की जरूरत नहीं है. यह

पीसना क्यों चल रहा है? भाजपा ने जो भी घोषणा की थी, अगर उसे तोड़ना था तो अब उनकी नीति है कि उसे तोड़ेंगे और तोड़ेंगे. यह सभी वक्ताओं के बीच नमक या जहर फेंक रहा है. उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमने हिंदी भाषा का विरोध नहीं किया है बल्कि अनिवार्य हिंदी का विरोध किया है.अब वे भाषाई आपातकाल लगा रहे हैं. हम इसका विरोध करेंगे, लेकिन विशेष रूप से, यह समय शिवसेना के उन गद्दारों को बताने का है जो वहां बेखौफ होकर रह रहे हैं.

5 साल में 26 प्रतिशत बिजली होगी सस्ती

राष्ट्रबाण

मुंबई. राज्य में पहली बार घरेलू, औद्योगिक और वाणिज्यिक बिजली दरों में पहले साल में 10 प्रतिशत और पांच साल में 26 प्रतिशत की कमी की जाएगी. महावितरण की याचिका पर महाराष्ट्र राज्य विद्युत विनियामक आयोग (एमईआरसी) द्वारा दिए गए आदेश से लाखों उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी.इस संबंध में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा है कि राज्य के

इतिहास में पहली बार महावितरण ने बिजली की दरें कम करने के लिए याचिका दायर की है. इस पर एमईआरसी ने यह आदेश दिया. इस आदेश से घरेलू, औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को लाभ होगा. राज्य में 100 यूनिट से कम बिजली की खपत करने वालों का अनुपात 70 प्रतिशत है. उनके लिए अधिकतम दर में 10 प्रतिशत की कमी की जाएगी.किसानों के लिए मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना 2.0 का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है. बिजली खरीद समझौतों में हरित ऊर्जा पर जोर देने से खरीद राशि बचेगी. इसीलिए महावितरण इस दर में कमी का प्रस्ताव करने में सक्षम हुआ.महावितरण अगले पांच वर्षों में हरित ऊर्जा खरीद के माध्यम से बिजली खरीद में 66,000 करोड़ रुपये की बचत करेगा.

JNPT में भर्ती के लिए अडानी पोर्ट पर इंटरव्यू क्यों?

राज ठाकरे को बड़ा संदेह

राष्ट्रबाण

मुंबई. स्कूली शिक्षा में हिंदी की अनिवार्यता के खिलाफ राज ठाकरे मैदान में उतर आए हैं. स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने राज ठाकरे से मुलाकात की. हालांकि राज ठाकरे अपने रुख पर कायम हैं. इतना ही नहीं उन्होंने हिंदी के खिलाफ मार्च निकालने का ऐलान किया है. यह मार्च 6 जुलाई को मुंबई में निकाला

जा रहा है और राज ठाकरे ने सभी राजनीतिक दलों से इसमें शामिल होने की अपील की है. रविवार इसलिए रखा गया ताकि बड़ी संख्या में अभिभावक और छात्र इस मार्च में शामिल हो सकें. राज ठाकरे ने कहा है कि हिंदी की अनिवार्यता एक भाषाई आपातकाल है. उन्होंने यह भी कहा कि अब दादा भुसे को उनसे आजाद मैदान में आकर मिलना चाहिए.राज ठाकरे ने कहा, भाषा को छोड़कर कुछ भी लाओ, हम उसका समर्थन करेंगे. भाषा पर प्रतिबंध क्यों लाए? उन्होंने कहा कि दस हजार शिक्षकों की भर्ती की जा रही है. लेकिन क्या वेतन देने के लिए पैसे हैं? मुझे एक बात नहीं पता..महाराष्ट्र में कई समस्याएं हैं. पुल गिर रहे हैं, सड़कें अच्छी नहीं हैं, शिक्षा में कई चीजें हैं. लेकिन हम भाषा पर क्यों आ रहे हैं? क्या यह विषय कोई बड़ी बात छिपाने के लिए आ रहा है? ऐसी स्थिति है कि संदेह पैदा होना चाहिए. राज ठाकरे ने आगे कहा, महाराष्ट्र में यह सब क्यों हो सकता है? अडानी पोर्ट पर जेएनपीटी और उसके इंटरव्यू के लिए भर्ती चल रही है, तो महाराष्ट्र में क्या चल रहा है...तो आप ये सब चीजें भाषा पर ला रहे हैं..जमीन जा रही है, हमारी भाषा को खत्म करने की कोशिश की जा रही है.

खुशखबरी मेट्रो के दूसरे चरण को मंजूरी, अजित पवार ने जताया PM का आभार

पुणे के लोगों को मिलेगी ट्रैफिक से राहत

राष्ट्रबाण

पुणे. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिमंडल का आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण को मंजूरी दी है. अजित पवार ने कहा कि यह निर्णय पुणे की वाहन जाम की समस्या कम करने, सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुधारने और पुणे तथा इसके आसपास के क्षेत्र के आर्थिक, औद्योगिक, वाणिज्यिक और शैक्षणिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

ये दोनों मार्ग 12.75 किलोमीटर लंबे और उन्नत होंगे. इनमें 13 स्टेशन होंगे. यह सेवा विशेष रूप से चांदणी चौक, बावधन, कोथरूड, खराडी, वाघोली जैसे उपनगरों के यात्रियों को लाभ देगी और आईटी, व्यापारिक और औद्योगिक क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगी.

4 सालो में पूरा करने की योजना

इस परियोजना की अनुमानित लागत 3,626.74 करोड़ रुपये है और इसे अगले 4 सालों में पूरा करने की योजना है. पुणे के पालकमंत्री और उपमुख्यमंत्री के रूप में अजित पवार ने पुणे शहर और जिले के समग्र विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है.

वे अपने कार्यालय की PMU इकाई के माध्यम से नियमित रूप से

अधिकारियों के साथ बैठकें करके प्रगति की समीक्षा और कार्यों में आने वाली बाधाओं को दूर करने का निरंतर प्रयास करते हैं. गुरुवार (26 जून) को भी उन्होंने PMU की बैठक लेकर पुणे सहित राज्य के अन्य प्रमुख विकास कार्यों की समीक्षा की. इस बैठक में मंत्रालय और पुणे से संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

दोनों मार्ग 12.75 किलोमीटर लंबे और उन्नत होंगे

उपमुख्यमंत्री कार्यालय की 'प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट (पीएमयू)' के माध्यम से अजित पवार लगातार पुणे मेट्रो के विस्तार के लिए समीक्षा बैठकें करते रहे हैं. उनके प्रयासों को अब सफलता मिली है. पुणे मेट्रो के पहले चरण में वणाज से रामवाडी मार्ग का कार्य चल रहा है, जबकि मंजूर किए गए दूसरे चरण में वणाज से चांदणी चौक (2A) और 2B) रामवाडी से वाघोली–विठ्ठलवाडी (2B) मार्ग शामिल हैं.

इस चरण में दो मुख्य मार्ग शामिल हैं.

- वणाज से चांदणी चौक (मार्ग 2A)
- रामवाडी से वाघोली–विठ्ठलवाडी (मार्ग 2B)

'शक कितना ही पक्का क्यों न हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता'

राष्ट्रबाण

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे की एक कोर्ट ने साल 2018 के हत्या के एक मामले में 36 साल की महिला को बरी करते हुए कहा कि आरोपी पर संदेह तो था, लेकिन अभियोजन पक्ष उसके अपराध को साबित करने में विफल रहा. प्रधान जिला और सत्र जस्टिस एसबी अग्रवाल ने सोमवार को एक आदेश में कहा, "शक चाहे कितना भी मजबूत क्यों न हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता."कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष के प्रस्तुत परिस्थितिजन्य साक्ष्य यह साबित करने के लिए अपर्याप्त थे कि आरोपी रूमा बेगम अनवर हुसैन लश्कर हत्या के लिए जिम्मेदार थी. अभियोजन पक्ष के मुताबिक, महिला ने कबीर अहमद लश्कर की कपड़े से गला घोंटकर, उसके गुप्तांगों पर

धारदार हथियार से वार कर और ईंट से हमला कर कथित तौर पर हत्या कर दी थी.महाराष्ट्र के ठाणे शहर के घोड़बंदर रोड पर साईनगर में एक बंद घर के अंदर 19 मार्च, 2018 को मकान मालिक ने चादर में लिपटा हुआ एक क्षत विक्षत शव देखा था. घटना के बाद महिला को बेंगलुरु में ढूंढ लिया गया था.अनवर हुसैन पूर्व में बेंगलुरु में एक साइकिल स्टोर पर महिला के साथ काम करता था और बाद में वह ठाणे के कासरवडावली इलाके में एक साइकिल की दुकान पर काम करने लगा.

कोर्ट

अंकिता लोखंडे बनने वाली हैं मां

टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. वजह कभी उनका शो होता है, तो कभी खुद उनके वायरल वीडियो. इस वक्त एक्ट्रेस पति के साथ शो 'लाफ्टर शेफ 2' में नजर आ रही हैं. जहां दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री के साथ ही तीखी नोकझोंक भी देखने को मिलती है. इसी बीच कलर्स वालों ने एक वीडियो शेयर किया है.

जिसमें एक्ट्रेस कहती नजर आईं- मैं प्रेग्नेंट हूं, भाग नहीं सकती. वो कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक के पीछे भाग रही थीं, पर थोड़े ही दूर जाकर रुक गईं और सेट पर यह ऐलान किया.शो में भारती सिंह और अंकिता लोखंडे की प्रेग्नेंसी पर खूब चर्चा चलती है. जहां पहले भी एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ती रही हैं. अब तो वो खुद कहती नजर आईं कि प्रेग्नेंट हैं. हालांकि, अब यह छोटी क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. जहां कुछ लोग इसे मस्ती में बोली गई बात कह रहे हैं. तो कुछ का कहना है कि हो भी सकता है कि एक्ट्रेस हिंट दे रही हो.'लाफ्टर शेफ 2' के सेट से एक वीडियो कलर्स वालों ने शेयर किया. इस वीडियो में कृष्णा अभिषेक एक्ट्रेस का खाने का सामान लेकर भाग जाते हैं. पूरे सेट पर काफी घूमने के बाद अंकिता लोखंडे कहती दिखीं कि- मैं प्रेग्नेंट हूं, भाग नहीं सकतीं. यह सुनकर कृष्णा अभिषेक हैरान रह गए. हालांकि, गुड न्यूज देने के बाद वो शरमाती हुई नजर आ रही थीं. कुछ ही देर बाद करण कुंद्रा ने भी पूछा, जो एक्ट्रेस ने सिर हिलाकर हां में जवाब दिया.लोगों ने वीडियो पर भर-भरकर कमेंट्स करने शुरू कर दिए हैं. कुछ लिखते हैं कि- क्या यह सच है और कुछ कहते हैं कि- एक्ट्रेस हिंट दे रही हैं. हालांकि, ऐसा वो पहले भी कई बार मजाक में कह चुकी हैं. एक्ट्रेस ने शो में कहा है, पर खुद कोई अनाउंसमेंट नहीं की है. एक्ट्रेस 40 साल की हैं और उनकी सास भी कई बार नेशनल टीवी पर बच्चे की बात कर चुकी हैं

परवरिश को लेकर राहुल बोस ने किया खुलासा

एक्टर राहुल बोस लंबे वक्त से फिल्मी पर्दे से दूरी बनाए हुए हैं. राहुल का फिल्मी ग्राफ भी कुछ खास नहीं रहा है. उनके अब तक के करियर में एक भी सुपरहिट फिल्म शामिल नहीं है. हालांकि बावजूद इसके उनके काम को काफी पसंद किया जाता है. राहुल बोस ने हाल ही में खुलासा किया कि वह ऐसे घर में पले-बढ़े हैं, जहां लैंगिक मानदंडों का उल्लंघन होता है. राहुल ने कहा कि जहां उनके पिता दिखने और कपड़ों को लेकर ज्यादा चिंतित रहते थे, वहीं उनकी मां करियर पर ध्यान देने को कहती थीं और वह उन्हें खेल खेलने पर मजबूर करती थीं.राहुल बोस ने कहा कि वह एक बेकार बच्चे थे और उनकी मां की कठोर परवरिश ने उन्हें वैसा बनाने में मदद की जो वह आज हैं. राहुल बोस ने एएनआई को बताया, "मैं इस शब्द के आने से बहुत पहले ही जाग गया था क्योंकि मेरी मां ने कभी खाना नहीं बनाया, मेरे पिता ने खाना बनाया. मेरी मां ने मुझे 5 साल तक हर दिन थप्पड़ मारे मैं इतना निकम्मा था. कि इससे मुझे ही मदद मिली.एक्टर ने आगे कहा, "आप आजकल ऐसा नहीं कह सकते, लेकिन मेरा विश्वास करो, मैं उन दिनों इतना निकम्मा था कि इससे ही मुझे मदद मिली. उन्होंने मुझे रग्बी और बॉक्सिंग खेलने के लिए मजबूर किया. मैंने स्कूल में बॉक्सिंग की थी और मेरे पिता इस बात से बहुत परेशान थे. वह चाहते थे कि मैं टोपी पहनूं ताकि धूप में मेरा रंग काला न हो जाए. वह चाहते थे कि मैं क्रिकेट खेलूं और सज्जन व्यक्ति बनूं. उन्होंने मुझे रग्बी खेलते देखा और जब वह मैदान में उतरे तो कभी मैदान की तरफ नहीं देखा मैं एक ऐसे पिता का बेटा हूं जो शादी में क्या पहनना चाहिए यह पूछते थे और एक ऐसी मां जो पूछती थी कि मुझे अपने करियर के साथ क्या करना चाहिए. यह बिल्कुल विपरीत है.

कास्टिंग काउच का शिकार हुए अनुपमा के वनराज

छोटे पर्दे के पॉपुलर सीरियल अनुपमा में वनराज शाह का दमदार और शानदार किरदार निभाकर सुधांशु पांडे ने खुद को लोगों के दिलों तक पहुंचा दिया है. भले ही इस सीरियल में उनका किरदार काफी नेगेटिव था, लेकिन दर्शकों को उनका काम बेहद पसंद था. जब उन्होंने शो छोड़ा तो उनके चाहने वालों को शो में मजा आना कम हो गया. हाल ही में सुधांशु पांडे करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स में दिखाई दिए. अब उन्होंने कास्टिंग काउच को लेकर खुलकर बात की है. एक्टर ने बताया कि उन्हें इसका भी सामना करना पड़ा है.सुधांशु पांडे ने हाल ही में कई बातें शेयर कीं. फिल्मों, टीवी और म्यूजिक वीडियो के एक अनुभवी कलाकार रह चुके सुधांशु ने खुलासा किया कि उन्हें भी बॉलीवुड में कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा है. उन्होंने खुलकर अपनी बात रखी और कहा, "हां, मैंने कास्टिंग काउच का सामना किया है. मुझे एक बहुत मशहूर फिल्म निर्माता ने यौन संबंधों के बदले काम ऑफर किया, जो अब इस दुनिया में नहीं है.'एक्टर ने आगे कहा,' भगवान उनकी आत्मा को शांति दे, वे दिग्गज फिल्म निर्माताओं में से एक थे. मुझे यह भूमिका एक समझौते के तहत दी गई थी. सुधांशु पांडे ने फिल्ममेकर को लेकर कहा कि उनके मन में उस व्यक्ति के प्रति कोई दुर्भावना नहीं है. उन्होंने कहा, "मेरे मन में उनके प्रति कोई खटास नहीं है, मुझे लगता है कि वे आपके सामने एक सिनेरियो पेश कर रहे थे – करना है या नहीं करना है, ये आप पर निर्भर करता है. मैंने कभी किसी के अहंकार को संतुष्ट करने की कोशिश नहीं की, जब भी मैंने कहा कि यह मेरे लिए ठीक नहीं है, मैंने आराम से मना कर दिया.

उर्फी की बहन डॉली जावेद का सूफी पर फूटा गुस्सा

अपने अतरंगी स्टाइल और बेबाक बयानों के लिए सोशल मीडिया पर छाई रहने वाली उर्फी जावेद की बहन डॉली जावेद एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं. इस बार उन्होंने अमेजन प्राइम वीडियो के नए रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के कंटेस्टेंट सूफी मोतीवाला पर निशाना साधा है. डॉली ने सूफी को 'पाखंडी' करार देते हुए उनपर जमकर अपनी भड़ास निकाली है.दरअसल, कुछ दिन पहले 'द ट्रेटर्स' के तीन एपिसोड ओटीटी पर स्ट्रीम होने के बाद सूफी मोतीवाला ने एक सोशल मीडिया वीडियो में अपनी भड़ास निकाली थी. उन्होंने शिकायत की थी कि कुछ लोग उन्हें नीचा दिखाने के लिए अपशब्दों (गाली गलौज) का इस्तेमाल कर रहे हैं और साथ ही ये भी साफ किया कि अब उन्हें ऐसी बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता, वो किसी से भी हमदर्दी की उम्मीद नहीं कर रही हैं. दरअसल सूफी का निशाना उर्फी जावेद और उनकी बहनों पर था.सूफी का ये वीडियो वायरल होने के बाद डॉली जावेद ने उन पर तुरंत पलटवार किया. अपनी बहन उर्फी के पक्ष में हमेशा खड़ी रहने वाली डॉली ने तुरंत इंस्टाग्राम स्टोरी पर सूफी को आड़े हाथों लिया. डॉली ने पोस्ट में तीखा वार करते हुए लिखा, मैं ये इस शख्स को पूछना चाहती हूं कि जब लोग उसे धमकाते हैं, गाली देते हैं तो उसे बहुत बुरा लगता है. चलो, ठीक है, लेकिन फिर तुमने मेरी बहन को गाली क्यों दी.डॉली यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने सूफी के दोहरे रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा, "मैं लोगों के बीच मशहूर होने के लिए, उनका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए गालियां देने के पक्ष में नहीं हूं, लेकिन, तुम बहुत पाखंडी हो. तुम दूसरों को गाली दे सकते हो? क्या ये तुम्हारे लिए सही है?! ठीक है, तो हम सभी एक-दूसरे को गाली नहीं दे सकते.

आमिर बनाम रजनीकांत सीधी टक्कर तय

सुपरस्टार आमिर खान इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर लाइमलाइट का हिस्सा बने हुए हैं. इस फिल्म को शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म की कहानी ने लोगों का दिल जीत लिया है. फिल्म जल्द ही भारत में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी. आर.एस. प्रसन्ना ने आमिर की इस फिल्म का डायरेक्शन किया है. वहीं सितारे जमीन पर के साथ-साथ आमिर खान के पास साउथ के मेगास्टार रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म कुली भी है. इस फिल्म में आमिर के रोल को लेकर नई अपडेट सामने आई है.ये बात तो किसी से छिपी नहीं है कि रजनीकांत की फिल्म में आमिर खान का स्पेशल कैमियो होने वाला है. इस फिल्म का डायरेक्शन लोकेश कनगराज ने किया है और यह 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है. फ़िल्म में आमिर का किरदार कैसा होगा, इसे लेकर नई जानकारी पता चली है.आमिर खान का किरदार कुली के लास्ट 15 मिनट में दिखाई देगा, जिसमें उनके रजनीकांत के साथ हाई-ऑक्टेन, मास-अपील वाले एक्शन सीन्स होंगे. रजनीकांत और आमिर खान कुली में एक साथ नजर आएंगे, इसमें उनके इनटेंस एक्शन और टकराव वाले सीक्वेंस भी शामिल हैं. आमिर को उनके काम में परफेक्शन के लिए जाना जाता है. रजनीकांत की इस फिल्म के लिए आमिर के लिए 10 दिन का शूटिंग शेड्यूल तैयार किया गया था, जो कैमियो से काफी ज्यादा है. दोनों सुपरस्टार हाई-एनर्जी फेस ऑफ स्पेस शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं. फैन्स भी इस टकराव को देखने के लिए काफी

एक्साइटेड हैं.हाल ही में जूम के साथ बातचीत के दौरान, आमिर ने बताया कि वह कुली के लिए कैसे आए और कहा, मुझे इसे करने में बहुत मज़ा आया.

बॉबी देओल के आगे भारी पड़े संजय दत्त

सन ऑफ सरदार 2: बॉलीवुड के 'खलनायक' संजय दत्त जल्द बॉक्स ऑफिस हिलाने आ रहे हैं. शुरुआत होती है उनकी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' से. फिल्म 25 जुलाई को रिलीज होने वाली है. जिसके कई पोस्टर्स सामने आ चुके हैं. यूं तो बीते दिनों अजय देवगन की फिल्म के सभी एक्टर्स दिखे थे, पर उसमें संजय दत्त नजर नहीं आए थे. ऐसी खबरें हैं कि एक्टर का अंदाज इस बार बदलने वाला है.द राजा साबः प्रभास की फिल्म 5 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. हाल ही में फिल्म का धांसू ट्रेलर सामने आया था, जिसमें संजय दत्त को देखकर हर कोई खुश हो गया. राजा, तांत्रिक या भूत आखिर वो फिल्म में क्या बनने वाले हैं, यह तो कन्फ्यूजन बना है. पर उनका पिक्चर में गजब का रोल होने वाला है.बागी 4 टाइगर श्रॉफ की यह पिक्चर 5 सितंबर, 2025 को रिलीज होगी. फिल्म से संजय दत्त का पहला लुक सामने आ चुका है. जिसमें खून ही खून और हाथों में एक लड़की को लिए बैठे थे. फिल्म में उनका खूंखार लुक लोगों को काफी पसंद आया है. वो सनकी आशिक बनकर टाइगर की मुश्किलें बढ़ाएंगे.रेंजरः इस फिल्म में एक बार फिर अजय देवगन और संजय दत्त की जोड़ी देखने को मिलेगी. फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है. जगन शक्ति के डायरेक्शन में बन रही फिल्म में संजय दत्त विलेन बनने वाले हैं, जो अजय देवगन से भिड़ते नजर आएंगे. साल 2026 में फिल्म को लाने की प्लानिंग हो रही है. राजा शिवाजीः रितेश देशमुख की फिल्म 'राजा शिवाजी' साल 2026 में रिलीज होगी. कुछ वक्त पहले ही फिल्म का एक पोस्टर सामने आया था, जो छत्रपति शिवाजी महाराज पर बेस्ड है. कहा जा रहा है कि इस पिक्चर में संजय दत्त मुगल कैरेक्टर को प्ले करते दिखाई देंगे.

पति के साथ कोजी मूड में आरती सिंह

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस आरती सिंह इन दिनों अपने पति दीपक चौहान के साथ मालदीव में वेकेशन एंजॉय कर रही हैं. आरती सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती नजर आ रही हैं. अब आरती सिंह ने वेकेशन से लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें एक्ट्रेस येलो कलर की बिकिनी में अपना कातिलाना अंदाज दिखा रही हैं. इन तस्वीरों में आरती सिंह और दीपक चौहान रोमांटिक अंदाज में पोज दे रहे हैं. इन तस्वीरों में एक्ट्रेस आरती सिंह अपने पति दीपक चौहान के साथ कोजी होकर पोज देती नजर आ रही हैं. फोटो में उन्होंने येलो बिकिनी पहनी है, जिसमें वह कातिलाना लग रही हैं.इस तस्वीर में आरती सिंह ब्लू कलर की बिकिनी में बला की खूबसूरत लग रही हैं. इस ब्लू ब्रालेट के साथ आरती सिंह ने डेनिम शॉर्ट्स पहने हैं. इस तस्वीर में दीपक चौहान आरती को प्यार से निहारती दिख रही हैं. इन तस्वीर में आरती सिंह और दीपक चौहान एक-दूसरे की आंखों में खोए नजर आ रहे हैं. फोटोज में आरती इस ब्लू ब्रालेट में अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं.आरती सिंह और दीपक चौहान एक-दूसरे की आंखों में खोए नजर आ रहे हैं. फोटोज में आरती इस ब्लू ब्रालेट में अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं.नेट के आउटफिट में आरती सिंह अपने टोन्ड लैग्स जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं. इस तस्वीर में आरती और दीपक एक-दूसरे के साथ दिलकश अंदाज में पोज दे रहे हैं दोनों की यह तस्वीरें लोगों को काफी पसंद भी आ रही हैं.इस तस्वीर में आरती सिंह सीढ़ियों पर खड़ी होकर पोज दे रही हैं. फोटो में वह अपनी क्यूट और खूबसूरत स्माइल से फैंस के दिलों को लूट रही हैं.

तारक मेहता शो छोड़कर रीटा रिपोर्टर की नई शुरुआत

टीवी के पॉपुलर कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' एक बार फिर चर्चा में है. वजह शो का लेटेस्ट ट्रैक है, जिसमें कुछ बदलाव होने की बात कही जा रही है. यूं तो इस शो के हर किरदार ने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई है. पर कुछ एक्टर्स ऐसे भी हैं जिन्हें शो से पहचान मिली, पर अब शो का हिस्सा नहीं हैं. शो में ऐसा ही एक किरदार तेज तर्रार 'रीटा रिपोर्टर' का था.तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की 'रीटा रिपोर्टर' का किरदार प्रिया आहूजा ने निभाया था. वो शो में 'कल तक' की रिपोर्टर के तौर पर काम करती थीं.

साथ ही गोकुलधाम सोसाइटी के मामलों को कवर करती हुई नजर आती थीं.'रीटा रिपोर्टर' का किरदार निभाने वाली प्रिया आहूजा शो में 2009-2010 और 2013-2022 तक नजर आईं थी. हालांकि, एक्ट्रेस साल 2022 के बाद शो में नजर नहीं आई. प्रिया आहूजा ने असित मोदी पर कुछ आरोप लगाए थे. उनका कहना था कि पति के रिजाइन के बाद उन्हें बिना किसी नोटिस के शो से बाहर कर दिया गया था.दरअसल प्रिया आहूजा के पति मालव राजदा शो के डायरेक्टर रहे हैं. एक्ट्रेस का कहना था कि उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ मिक्स कर शो से बाहर कर दिया. एक्ट्रेस ने साल 2011 में मालव से शादी की थी. उनका एक बेटा है, पर 40 साल की प्रिया आहूजा अपनी फिटनेस से हर किसी को टक्कर देती हैं.तारक मेहता की रीटा रिपोर्टर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. साथ ही फिटनेस और फैशन के वीडियोज शेयर करती रहती हैं. सिर्फ खूबसूरती और फिटनेस ही नहीं, वो स्टाइल के मामले में भी किसी से कम नहीं हैं. सोशल मीडिया पर लोग उन्हें काफी प्यार देते हैं.हालांकि, प्रिया आहूजा की फिटनेस के अलावा उनकी पति मालव संग केमिस्ट्री भी लोगों को पसंद आती है. एक्ट्रेस अक्सर पति के साथ रोमांटिक तस्वीर शेयर करती हैं. एक्टिंग छोड़ उनका पूरा फोकस फिटनेस की तरफ है. वो खुद फिट रहने के साथ ही लोगों को भी इसके फायदे बताती हैं. साथ ही लंबे-लंबे वीडियो शेयर करती हैं.प्रिया आहूजा को हाल ही में टीवी शो 'गुम है. किसी के प्यार में' में देखा गया था. हालांकि, एक्ट्रेस ने बताया था कि उनके लिए सबसे मुश्किल वक्त लॉकडाउन का रहा था. वो अपनी जिंदगी खत्म करना चाहती थीं, लेकिन पति की मदद से उस सिचुएशन से बाहर निकल पाईं. अब फिटनेस के चलते चर्चा में रहती हैं.

2706-RB Main-06C_sakal 1 26-06-2025 22:04 Page 1

तापमानः नागपुर, अधिकतम 30.3°C न्यूनतम 24.2°C

नागपुर, शुक्रवार, 27 जून 2025

राष्ट्रबाण विदर्भ VISION

।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

डिप्टी कमिश्नर के कैंटीन कक्ष की छत गिरी

96 साल पुरानी नगरपालिका इमारत

राष्ट्रबाण

अमरावती. एक तरफ शहर की सबसे जर्जर इमारतों को नोटिस देते समय नगरपालिका अधिकारी अपनी इमारत को नोटिस देना भूल गए तो सवाल खड़ा हो गया है. 96 साल पुरानी नगरपालिका इमारत की छत कई बार गिर चुकी है, लेकिन इस इमारत में स्थित डिप्टी कमिश्नर के कमरे को नहीं हटाया गया. तीन-चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण उपायुक्त मेघना वासनकर के एंटे चैंबर की छत अचानक गिर गई. इससे कमरे में रखी सामग्री नष्ट हो गई. इससे पहले उपायुक्त के मुख्य कमरे में पानी टपकने लगा था और छत गिर गई थी. इसके कारण उपायुक्त मेघना वासनकर के कमरे को बदला गया.

- नगरपालिका इमारत की जर्जरता के कारण अब इस इमारत का एक हिस्सा गिरने लगा है. दो दिन पहले उपायुक्त मेघना वासनकर के एंटे चैंबर की छत अचानक गिर गई थी.
- छत गिरने से इस कमरे में रखी सामग्री क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई. छत गिरने के बाद मनपा के उपयंत्रियों ने सिटी इंजीनियर रविंद्र पवार के साथ उनके कार्यालय का निरीक्षण किया.
- इमारत की हालत जर्जर थी और कार्यालय के स्लैब पर बारिश का पानी जमा होने से छत जर्जर नजर आई. इमारत की दीवारों में पेड़ उग आए हैं और पेड़ों की जड़ें गहरी हो गई हैं. छत गिरने के बाद डिप्टी कमिश्नर ने अपना कार्यालय स्थानांतरित कर दिया.

नदी नालों में आया उफान; कई जिलों का संपर्क कटा, जनजीवन प्रभावित

विदर्भ में जोरदार बारिश, बाढ़

राष्ट्रबाण

वाशिम. महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में मानसून ने जोरदार दस्तक दी है. बुधवार रात से गुरुवार सुबह तक वाशिम और बुलढाणा जिलों में हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया. नदी-नालों में तेज उफान आने से दोनों जिलों के बीच का सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है. कई गांवों का जिला मुख्यालयों से संपर्क टूट गया है और लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है.

मानसून के विदर्भ में दाखिल होने के 10 दिन बाद पश्चिम विदर्भ में जोरदार बारिश हो रही है. बुधवार को शुरू बारिश गुरुवार सुबह तक जारी रही. मौसम विभाग के अनुसार, सुबह आठ बजे तक जिले में 122.4 मिली मीटर बारिश हुई है. वहीं बुलढाणा जिले में 47 मिली बारिश दर्ज हुई. एक दिन में हुई इस मूसलाधार बारिश से जिले के सभी नदी नाले उफान पर हैं. बुलढाणा जिले के माड नी और आरेगांव में नदियों में बाढ़ आने के कारण मेहेकर का वाशिम जिले से संपर्क टूट गया है. बारिश के कारण कुछ स्थानों पर सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है. मौसम विभाग की चेतावनी

वर्धा के यशोदा नदी पुल किया गया बंद

- अलमडोह और वर्धा-रालेगांव मार्ग पर सरुल में यशोदा नदी पर बने पुल पर बारिश के चलते पानी भर जाने के कारण वर्धा से कानगांव जाने वाला मार्ग बंद कर हो गया है. इसके अलावा, कनावली गांव में आई बाढ़ के कारण गाडेगाव, अलमडोह, सोनेगाव, चानकी, दरने टाकली, मनसावली क्षेत्र की 2,000 हेक्टेयर भूमि जलमग्न हो गई है.
- अलमडोह में यशोदा नदी के पुल के ऊपर से पानी बहने के कारण अलमडोह-अल्लीपुर यातायात बंद है. गांव का संपर्क टूटा नहीं है. अलमडोह - कानगांव परिवहन चल रहा है. बाढ़ के चलते इलाके में जनजीवन प्रभावित हुआ है.
- वहीं, देवली के डिगडोह में तीन स्कूली बच्चे बाढ़ के पानी में फंस गए हैं. देवली नगर पालिका की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं. बच्चों को निकालने के प्रयास जारी हैं. जिला खोज एवं बचाव दल भी घटनास्थल पर पहुंच गया है.

डेढ़ लाख किसानों को फसल ऋण देने से इंकार

राष्ट्रीय और निजी बैंक ऋण वितरण में कर रहे संघर्ष

राष्ट्रबाण

अमरावती. इस वर्ष खरीफ सीजन में अमरावती जिले के लगभग 1.5 लाख किसान फसल ऋण से वंचित हैं. एक अप्रैल से शुरू हुई ऋण वितरण प्रक्रिया में अब तक लक्ष्य का साठ प्रतिशत ऋण वितरित किया जा चुका है. 73,633 किसानों को ऋण प्राप्त हुआ है. हमेशा की तरह, राष्ट्रीय और निजी बैंक ऋण वितरण में पीछे हट रहे हैं. इस खरीफ सीजन में अमरावती जिले के लिए 1,650 करोड़ रुपये का फसल ऋण लक्ष्य स्वीकृत किया गया

है. राष्ट्रीय, सार्वजनिक, ग्रामीण एवं जिला मध्यवर्ती बैंकों द्वारा कुल 2.25 लाख किसानों की ऋण माफी की सीमा तय की गई थी. खरीफ ऋण वितरण 1 अप्रैल से शुरू हुआ. अब तक राष्ट्रीय बैंक ने 87,100 सदस्यों में से केवल 25,577 सदस्यों को ऋण वितरित किया है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 10,400 में से 895 सदस्यों को ऋण वितरित किया है. ग्रामीण बैंक के 2,500 सदस्य हैं और उसने 774 सदस्यों को ऋण दिया है. हालांकि, जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक ने आगे बढ़कर 46,387 सदस्यों को ऋण वितरित किया है. इस बैंक के 1.25 लाख सदस्य हैं. इस वर्ष फसल ऋण की सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख कर दी गई है. ऋण वितरित करते समय बैंक फसलवार ऋण प्रदान कर रहे हैं तथा छोटे एवं सीमांत भूमिधारक किसानों को ऋण देने में अनिच्छुक हैं.

अब भारी बारिश का इंतजार

दोहरी बुवाई के संकट से जूझ रहे किसान

राष्ट्रबाण

यवतमाल. प्रकृति की अनिश्चितताएं जैसे रोजमर्रा की घटना बन गई है. पिछले कुछ दिनों से जिले भर में बारिश हो रही है. हालांकि, किसान अभी भी भारी बारिश की उम्मीद कर रहे हैं. इसके अलावा, दोहरी बुवाई के संकट के कारण किसानों को बड़े वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है, जिससे लगभग 50% किसान प्रभावित हो रहे हैं. फिलहाल किसान चिंता के भंवर में फंसे हुए हैं. जून का महीना खत्म होने वाला है, लेकिन किसान अभी भी किसान भारी बारिश का इंतजार कर रहे हैं. किसानों की नजर आसमान पर टिकी है. बरसात का मौसम शुरू हुए 15 दिन बीत चुके हैं. लेकिन जिले में अभी भी पर्याप्त बारिश नहीं हुई है. रोज हो रही बारिश से वातावरण में भी नमी विकसित हो रही है. कहीं-कहीं छिटपुट बारिश हो रही है. कई किसानों ने पहले ही सूखी भूमि पर बुवाई कर दी थी. इस बीच किसान बारिश की उम्मीद कर रहे थे. हालांकि, भारी बारिश की कमी के कारण, जो फसलें थोड़ी बहुत कटी हुई थीं, वे अपेक्षित बारिश की कमी के कारण नष्ट हो गईं. कुछ क्षेत्रों में तो कई ध्वस्त होने के कगार पर हैं. इसलिए किसान अब दोपहर में बुवाई करने से डर रहे हैं.

सूर्या केमिकल्स कंपनी की छत गिरी

एक युवती की मौत

राष्ट्रबाण

यवतमाल. जिले के झारी तहसील के गणेशपुर में सूर्या केमिकल्स कंपनी की छत के नीचे छह मजदूर फंस गए. एक लड़की की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. मृतक लड़की की पहचान गंगा कंवर (20, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़) के रूप में हुई है. सभी घायल मजदूर छत्तीसगढ़ के हैं. घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे की है. घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है. गणेशपुर में सूर्या केमिकल नामक एक कंपनी है. यह कंपनी सफेदी और निर्माण सामग्री बनाती है. इस कंपनी में प्रवासी मजदूर काम करते हैं. सुबह जब मजदूर रोजाना की तरह कंपनी में काम कर रहे थे, तभी अचानक कंपनी की इमारत की एक छत गिर गई. इसमें काम कर रहे मजदूर दब गए. घटना होते ही कंपनी में हड़कंप मच गया. घटना की सूचना झरी पुलिस को दी गई. कंपनी के अन्य कर्मचारियों ने बचाव कार्य शुरू किया और मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला और घायलों को वणी के उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया. हालांकि, इलाज से

पहले ही युवा मजदूर गंगा कंवर की मौत हो गई. अन्य घायल मजदूरों का इलाज चल रहा है. इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. घटनास्थल पर नागरिकों की भीड़ लग गई. चूंकि मृतक और घायल मजदूर छत्तीसगढ़ राज्य के हैं, इसलिए उनके परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है. जिला प्रशासन ने भी इस घटना की जानकारी ले ली है. स्थानीय लोगों ने बताया कि सूर्या केमिकल कंपनी का मालिक आंध्र प्रदेश का रहने वाला है.

फास्ट ट्रैक

ट्रक और बाइक भिड़ंत में 2 गंभीर घायल

भंडारा. नागपुर-रायपुर हाईवे पर लखनी फ्लाईओवर पर मोटरसाइकिल और ट्रक की टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया. गंभीर रूप से घायलों में तुषार सुधाकर कुडेगवे (27, पलांडूर स्क्वायर), रोहित नामदेव भिवगुडे (20, कोडमेडी, ताल. सड़क अर्जुनी, जिला गोंदिया) शामिल हैं. दोनों दोपहिया वाहन (क्रमांक एमएच 40 सीबी 2389) पर सवार होकर लखनी से भंडारा आ रहे थे. इसी दौरान दोपहिया वाहन ने लखनी फ्लाईओवर पर खड़े ट्रक को टक्कर मार दी. रोहित और तुषार के सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं.

कुत्ते से टकराई एंबुलेंस, 1 की मौत

अकोला. अकोला के चोहोट्टा बाजार में एक एम्बुलेंस ने एक कुत्ते को टक्कर मार दी, जिसमें कुत्ता जख्मी हो गया. बाजार में मौजूद शंकर लालू मितकर ने एम्बुलेंस को अस्पताल ले जाने से रोक दिया. मितकर एम्बुलेंस के चालक सुखदेव मालठाणकर से मारपीट की. इस दौरान राजू ढोले ऑक्सीजन पर एम्बुलेंस में थे. इस मारपीट से हुई देरी के चलते इलाज के लिए अकोला पहुंचने से पहले ही राजू ढोले की मृत्यु हो गई. अकोट शहर में सड़क निर्माण कार्य के दौरान जेसीबी की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुए राजू ज्ञानेश्वर ढोले (50) को इलाज के लिए अकोला ले जाते समय चोहोट्टा बाजार में एम्बुलेंस एक कुत्ते से टकरा गई.

नाबालिग ने की आत्महत्या

युवक लगातार कर रहा था परेशान

राष्ट्रबाण

वाशिम. जिले के शिरपुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव में एक नाबालिग लड़की ने एक युवक द्वारा परेशान किए जाने के बाद जहर खाकर आत्महत्या कर ली है. अभिषेक देशमुख (25, निवासी वाघरुल) पिछले कुछ दिनों से लड़की को शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान कर रहा था. वह समय-समय पर उसके घर आता था और उसे परेशान करता था.

एक दिन जब वह अकेली थी, तो वह घर में घुस आया और उसके साथ जबरन सेल्फी लेने की कोशिश की और उस पर शादी का दबाव बनाया. इससे मानसिक रूप से परेशान लड़की ने 23 जून को जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की.

जैसे ही परिवार को इस घटना का पता चला, उन्होंने तुरंत उसे इलाज के लिए वाशिम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. हालांकि, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. इस मामले में गोपाल धनराज आवटे ने आरोपी अभिषेक विष्णु देशमुख के खिलाफ शिरपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. इसके अनुसार आरोपी के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (POCSO) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. हालांकि, आरोपी फिलहाल फरार है और पुलिस उसे गिरफ्तार करने के लिए कई टीमें बनाकर तलाशी अभियान चला रही है. इस बीच, क्या आरोपी ने पहले भी किसी और लड़की को परेशान किया है? कहा जा रहा है कि पुलिस इसकी भी जांच कर रही है. कहा जा रहा है कि पुलिस अब लड़की से जुड़े कुछ लोगों से पूछताछ कर सकती है.

आयुक्त सौम्या शर्मा ने विकास कार्य का किया निरीक्षण

प्रत्येक अधिकारी समन्वय से कार्य करें

राष्ट्रबाण

अमरावती. अमरावती मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा ने आज सुबह कचरा संग्रहण केन्द्र फ्रेजरपुरा, सुकली कम्पोस्ट डिपो तथा गुलिस्तान नगर क्षेत्र का निरीक्षण किया. स्वच्छ अमरावती के लिए प्रतिबद्ध होने का दावा करते हुए आयुक्त सौम्या शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को विभिन्न निर्देश भी दिए. फ्रेजरपुरा क्षेत्र में कचरे में तत्काल कमी लाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि नागरिकों को असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए. सड़कों पर पड़े कचरे को तत्काल हटाया जाए तथा कंटेनरों से कचरा न गिरे, इसका ध्यान रखा जाए. प्लास्टिक को एकत्र किया जाए तथा सड़क के दोनों ओर साफ-सफाई रखी जाए. उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रतिदिन निकलने वाले कचरे को रिसाइकिल करके पुनः उपयोग करके किसानों को जैविक खाद उपलब्ध कराई जाए. सुकली कम्पोस्ट

डिपो के कामकाज का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने कहा कि यहां कचरे का कुशलतापूर्वक प्रसंस्करण किया जाए तथा नागरिकों को राहत मिले. अमरावती महानगरपालिका की यह वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण परियोजना देश में आदर्श बने, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए. उन्होंने सुझाव दिया कि परियोजना स्थल पर उत्पादित जैव-संस्कृति छिड़काव, विंड्रो पद्धति और जैविक खाद की उचित योजना बनाई जानी चाहिए और बगीचों और कृषि में इसका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए. उन्होंने यह भी आदेश दिया कि नागरिकों में एकल-उपयोग प्लास्टिक के खिलाफ अधिक प्रभावी जागरूकता पैदा की जानी चाहिए. आयुक्त ने निर्देश दिया कि 'शून्य अपशिष्ट' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जोन-वार अपशिष्ट संग्रह केंद्र शुरू करने की योजना बनाई जानी चाहिए.

> ठोस अपशिष्ट को नागरिकों द्वारा अलग-अलग करके ही उपयोग करने पर जोर देते हुए आयुक्त ने कहा कि गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डिब्बों में डालना सभी की जिम्मेदारी है. उन्होंने सभी से घर पर ही कचरे का उचित तरीके से निपटान करने की अपील की, ताकि परियोजना स्थल पर सफाई कर्मचारियों पर कचरे को अलग-अलग करने का दबाव न पड़े.

सहयोग चांसलरदत्ता मेघे की रही मौजूदगी

मेघे विवि और अडानी समूह में समझौता

राष्ट्रबाण

वर्धा. आखिरकार, मेघे विश्वविद्यालय और अडानी समूह एक साथ आ गए हैं. इस तरह के एक समझौते पर आज चांसलर दत्ता मेघे की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए. कहा गया कि दत्ता मेघे उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थान ने सामाजिक प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए देश में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बुनियादी ढांचा सुविधाओं को और अधिक कुशलता से विकसित करने के उद्देश्य से अडानी फाउंडेशन के साथ मिलकर आगे बढ़ने का फैसला किया है. इस संबंध में दत्ता मेघे उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थान के ट्रस्टी एवं विश्वविद्यालय के प्रधान सलाहकार सागर मेघे तथा अदाणी समूह के निदेशक डॉ. मलय महादेविया ने संयुक्त घोषणा की.

सावंगी मेघे में आयोजित इस संयुक्त

बैठक में कुलाधिपति दत्ता मेघे, कुलपति डॉ. वेदप्रकाश मिश्रा, मेघे समूह के निदेशक राघव समीर मेघे, कुलपति डॉ. ललित वाघमारे तथा मेघे एवं अदाणी समूह के प्रतिनिधि उपस्थित थे. मेघे समूह एवं अदाणी फाउंडेशन के बीच हुए इस समझौते के अनुसार दत्ता मेघे उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थान के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को बनाए रखते हुए गुणवत्तापूर्ण, नवीन एवं अंतःविषयी दृष्टिकोण को शामिल करने वाले विश्वस्तरीय केंद्र के विकास पर जोर दिया जाएगा. कहा गया कि आम जनता को उन्नत शिक्षा, शोध एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए यह एक सामाजिक अनुबंध है. डॉ. मलय महादेविया ने कहा कि शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मेघे समूह के साथ हमारी साझेदारी है तथा कुलाधिपति दत्ता मेघे के मार्गदर्शन में यह प्रगतिशील यात्रा जारी रहेगी. उन्होंने यह भी कहा कि दत्ता मेघे विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बने रहेंगे. सागर मेघे ने आश्वासन दिया कि मेघे शिक्षा एवं स्वास्थ्य समूह के सभी कर्मचारी मेरे परिवार के सदस्य हैं और मैं हमेशा उनके साथ रहूंगा.

> स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में पैंतीस साल से अधिक समय से काम कर रहा हमारा संगठन अदानी फाउंडेशन के साथ काम कर रहा है, जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. कुलाधिपति दत्ता मेघे ने उम्मीद जताई कि यह गठबंधन आने वाले दिनों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ समावेशी और सतत प्रगति के लिए काम करता रहेगा. इस दौरान अदाणी फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अदाणी ने भी ऑनलाइन भाग लेते हुए इस संयुक्त समझौते पर बातचीत की. सहयोग की भावना से मेघे संगठन के साथ मिलकर काम करते हुए हम गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को मौलिक अधिकार मानते

कंक्रीटिंग काम में हो रही अनदेखी

भूमिगत सीवरेज योजना के काम में लापरवाही

राष्ट्रबाण

गोंदिया. शहर में सीवरेज योजना का काम चल रहा है और यह सीवरेज योजना हमेशा विवादों के घेरे में रही है. इस योजना का काम पिछले चार वर्षों से चल रहा है. इसके कारण शहरवासियों के साथ-साथ यहां विभिन्न कार्यों के लिए आने वाले नागरिकों को इस सीवरेज योजना के काम से परेशानी उठानी पड़ रही है.इस सीवरेज योजना का अधूरा काम कभी भी नागरिकों की जान पर बन सकता है. संबंधित विभाग और ठेकेदार को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है. शहर में पिछले कुछ वर्षों से भूमिगत सीवरेज योजना का काम चल रहा है. इस काम के कारण नागरिकों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है. योजना के अधूरे काम के कारण दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं. योजना के नाले में फंसने से दो लोगों की जान

जा चुकी है. भूमिगत सीवर कार्य के बाद कंक्रीट डालकर सड़क को फिर से बनाना जरूरी था. लेकिन, ठेकेदार और मजदूरों के दर्शन दुर्लभ हो गए हैं. सड़क पर कीचड़ है, बारिश हो रही है, जिससे इस सड़क पर आवागमन मुश्किल हो गया है. वाहन नाले में फंस रहे हैं. नागरिकों ने मांग की है कि इस ओर ध्यान देते हुए अविलंब खुदाई कर कंक्रीट डाली जाए.

> शहर के दक्षिणी हिस्से में शुरू हुआ भूमिगत सीवरेज योजना का काम अब शहर के उत्तरी हिस्से में चल रहा है. उम्मीद है कि जिस गति से पाइप बिछाने के लिए सड़कें खोदी जा रही हैं, उसी गति से पाइप बिछाने के बाद कंक्रीट डाली जाएगी. शहर के रेलटोली क्षेत्र में रामदेवरा मंदिर के पीछे की दोनों सड़कें एक सप्ताह पहले खोदी गई थीं और पाइप डाले गए थे.

राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।
तापमानः नागपुर, अधिकतम 30.3°C न्यूनतम 24.2°C
नागपुर, शुक्रवार, 27 जून 2025

अब 2 वर्षों में चलेंगी 850 ई-बसें

CM फडणवीस ने की थी बसों के प्रावधान की घोषणा

राष्ट्रबाण

नागपुर. शहर में प्रदूषण कम करने के लिए अब सिटी बस सेवा में डीजल बसों की जगह ई-बसें सड़कों पर चलेंगी. इस वर्ष के अंत तक वर्तमान डीजल चालित बसों को सेवा से हटा दिया जाएगा. चूंकि ई-बसें पर्यावरण अनुकूल बसें हैं, इसलिए प्रदूषण कम होगा. अगले दो वर्षों में नागपुर महानगरपालिका के बेड़े में कुल 850 ई-बसें चलाई जाएंगी. राज्य के माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मार्च 2023 में शहर के लिए ई-बसों के प्रावधान की घोषणा की थी. सार्वजनिक परिवहन के लिए उपयोग की जाने वाली डीजल बसों को हटाकर पर्यावरण अनुकूल और वातानुकूलित बसें उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है. नगर आयुक्त और प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी ने इस योजना का अनुसरण किया. इसके चलते अप्रैल 2023 में नागपुर महानगरपालिका को 137 करोड़ रुपए का फंड राज्य सरकार की ओर से मंजूर किया गया है.

2009 में जवाहरलाल नेहरू शहरी कायाकल्प मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत नागपुर महानगरपालिका को 240 डीजल बसें मिली थीं. इन बसों की खरीद के 15 साल बीत जाने के बाद इन बसों का बंद होना शुरू हो गया है. वर्तमान में 76 डीजल बसें सेवा में हैं. परिवहन प्रबंधक विनोद जाधव ने बताया कि आगामी दिसंबर तक इन बसों का बंद होना तय है. ई-बसों के चालू होने के बाद परिवहन विभाग का खर्च कम हो जाएगा. विनोद जाधव ने बताया कि बसों के संचालन पर होने वाला घाटा 40 प्रतिशत कम होने की संभावना है.महानगर निगम के परिवहन विभाग को ई-बसें मिलने के कारण एयरपोर्ट जाने वाले या विमान से आने वाले यात्रियों को शहर में लाने के लिए ई-बस सेवा शुरू की जाएगी, ऐसा परिवहन प्रबंधक विनोद जाधव ने बताया. फ्लाइट के समय को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने यात्रियों के लिए ई-बसों की व्यवस्था की है. इससे एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को ई-बसों से यात्रा करने की सुविधा मिलेगी. इसके लिए रूट तय किया जा रहा है.

नया रूट तय किया जाएगा

ई-बसों की संख्या बढ़ने के साथ ही शहर में सिटी बस परिवहन के लिए नए रूट तय किए जाएंगे. साथ ही, जहां भी आवश्यकता होगी, मौजूदा रूट पर अधिक बार बस सेवा प्रदान की जाएगी. वर्तमान में नागपुर में प्रतिदिन 1 लाख 40 नागरिक बस से यात्रा करते हैं. इसे बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे.

30 ई-बसें चालू

पहले चरण में नागपुर महानगरपालिका को राज्य सरकार की ओर से 30 ई-बसें मिली हैं. इन बसों का उद्घाटन हाल ही में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया. इन बसों के नए रूट निर्धारित करने की प्रक्रिया चल रही है. अगले कुछ दिनों में यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद 1 जुलाई से ये बसें यात्रियों के लिए सेवा में आ जाएंगी. वर्तमान में मनपा में 445 बसें सेवा में हैं. इनमें से 214 ई-बसें हैं. इन बसों के लिए वाठोडा और खापरी में आगर (डिपो) बनाया जाएगा. इस योजना के तहत, शेष ई-बसों को विभिन्न चरणों में नागपुर में पेश किया जाएगा. इसमें 9 मीटर लंबाई की 230 ई-बसें और 12 मीटर लंबाई की 250 ई-बसें उपलब्ध होंगी. अगले दो वर्षों में शहर के यात्रियों के लिए नागपुर मनपा के बेड़े में लगभग 850 ई-बसें उपलब्ध होंगी. इन बसों को चार्ज करने के लिए लकड़गंज क्षेत्र में मातृशक्ति ई-डिपो स्थापित किया जाएगा.

देशी कट्टे के साथ 2 लोग गिरफ्तार

कलमना पुलिस ने की कार्रवाई

1 आरोपी हुआ फरार

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर की कलमना पुलिस ने देर रात एक सूचना के आधार पर देसी कट्टे और जिंदा कारतूस के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई नए आरटीओ ऑफिस के सामने चिखली इलाके में की गई. हालांकि, इस कार्रवाई के दौरान एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी भी तलाश की जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार कलमना पुलिस की टीम अपने थाना क्षेत्र में गश्त पर थी. इस दौरान उन्हें सूचना मिली कि आरोपी देशी शराब के साथ क्षेत्र में आ रहे हैं. इस सूचना के आधार पर पुलिस ने नए आरटीओ कार्यालय के पास चिखली चौक के पास जाल बिछाया. थोड़ी देर बाद मोपेड पर 3 संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए. हालांकि, जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो पीछे बैठा एक आरोपी भाग निकला जबकि 2 आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया. तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक देशी कट्टा और 2 जिंदा कारतूस बरामद किए गए. इसके बाद फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्यों को कब्जे में लिया गया और आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई. इस कार्रवाई के दौरान पकड़े गए आरोपियों में सोनू उर्फ सागर त्रिवेदी और सहदेव शेषराव साहू शामिल हैं. पुलिस अब उनके फरार तीसरे साथी की तलाश कर रही है.

पुलिस डयूटी में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज

राष्ट्रबाण

नागपुर. शहर के मनकापुर थाने में कार्यरत पुलिस उप-कांस्टेबल 57 वर्षीय विश्वेश्वर भलावी गिट्टीखदान थाने के अंतर्गत अपने निवास पर बीमार पड़ गए. सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. भलावी 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले थे. पुलिस लाइन टाकली निवासी विश्वेश्वर भलावी मनकापुर थाने में उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत थे. वे 3डयूटी दिन से अस्पताल में थे. बुधवार रात को उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई. भलावी को सीने में दर्द की शिकायत हुई.

फास्ट ट्रैक

बारिश से कई इलाकों में पेड़ गिरे

नागपुर. बुधवार रात नागपुर में हुई भारी बारिश ने शहर प्रशासन की तैयारियों को बुरी तरह प्रभावित किया है. मौसम विभाग के अनुसार, शहर में 32.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, लेकिन इस मामूली बारिश ने भी नागपुर की सड़कों और बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया. कई इलाकों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और पेड़ गिरने की खबरें आईं. शाम को बारिश शुरू हुई और देर रात तक रुक-रुककर बारिश होती रही. तेज हवाओं के साथ हुई इस बारिश से कई जगह बाढ़ आ गई और कमजोर पेड़ उखड़ गए. शहर के झिंगाबाई टाकली, नरेंद्र नगर, वर्धा रोड, नंदनवन, सदर, मेडिकल, त्रिमूर्ति नगर में पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं. सूचना मिलने पर संबंधित क्षेत्रों की दमकल के साथ बचाव दल मौके पर पहुंचा और पेड़ों को काटकर सड़क से हटाया.

कृषि व्यापारियों का 30 जून बंद

नागपुर. जिला एग्रो डीलर्स एसोसिएशन की ओर से 30 जून को एक दिन के लिए नागपुर जिले के सभी कृषि व्यापारियों को बंद रखने का निर्णय लिया गया है. नागपुर जिला एग्रो डीलर्स एसोसिएशन की ओर से आज, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई. अध्यक्ष अभिजीत काशीकर, सचिव डॉ. विजय चांडक, कोषाध्यक्ष विजय लोहिया और उपाध्यक्ष नितिन भोयर के साथ-साथ मनोज निकम भी मौजूद थे.

महाराष्ट्र नाट्य परिषद का बाल नाटक

नृत्य शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

राष्ट्रबाण

नागपुर. महाराष्ट्र नाट्य परिषद नागपुर द्वारा 5 जून से 20 जून 2025 तक गुरुदेव सेवा मंडल अगरम देवी चौक नागपुर में बाल नाटक अभिनय एवं नृत्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर का समापन कार्यक्रम 23 जून को संपन्न हुआ.शिविर के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता रंगकर्मी डॉ. नीलकंठ कुलसुंगे एवं वरिष्ठ अभिनेता, लेखक ने की. निर्देशक संजय भाकरे मुख्य अतिथि थे. साथ ही मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ता अशोक येवले, कुणाल गाडेकर, राजेश कुंभलकर, अशोकजी ठाकरे (सामाजिक कार्यकर्ता) एवं महाराष्ट्र नाट्य परिषद के संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र टेकाड़े, शिविर आयोजक प्रो. डॉ.

संगीता टेकाड़े (विदर्भ की एकमात्र महिला नकल कलाकार), सभी गणमान्य उपस्थित थे. इस शिविर में कुल 90 लड़के-लड़कियों ने भाग लिया.कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ अभिनेता संजय भाकरे ने अपने भाषण में कहा कि इस शिविर के माध्यम से बच्चों के मन में जो संस्कृति का संचार होगा, वह केवल जीवन जीने की कला नहीं है, बल्कि यह आविष्कार की कला है. यह व्यक्तिगत और व्यक्तित्व विकास के माध्यम से प्राप्त होता है. यदि यह विकास बालक के मन की ओर निर्देशित किया जाता है, तो यह भविष्य में एक बेहतर व्यक्ति बनने में बहुत सहायक होगा.

> इस शिविर में भाग लेने वाले बालक-बालिकाओं की आयु 4 से 15 वर्ष के बीच होने के कारण उन्हें अपने पसंदीदा नृत्य गीत चुनकर उन्हें लघु नाटिकाओं जैसे कि आशेचा अंत, विट्ठल, झांसीची रानी, नकला, लावणी, मुजरा, गोंडल, पोवाड़ा, गरबा आदि के साथ संयोजित करना चाहिए. नन्हें बालक-बालिकाओं ने अद्भुत प्रदर्शन किया. हॉल दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था. प्रत्येक प्रदर्शन को उत्साही दर्शकों ने सराहा.

BJP ने लश्करी बाग में मोहल्ला बैठक की

राष्ट्रबाण

नागपुर. भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा नागपुर शहर की महासचिव मोहिनी रामटेके के नेतृत्व में कमल चौक लश्करी बाग में मोदी सरकार के 11 साल, बेमिसाल, संकल्प से सिद्धि की ओर विषय पर मोहल्ला बैठक आयोजित की गई. इस मौके पर राज्य अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष एडवोकेट धर्मपाल मेश्राम ने अपने मुख्य भाषण में बताया कि मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं से किस तरह लोगों को फायदा हो रहा है. इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश इंगले, शंकर मेश्राम, महासचिव, अनुजाति मोर्चा, नागपुर, संजय तरारे, प्रवीण चावरे, धनंजय कांबले, प्रवीण पाटिल, विराग राऊत रुनल चव्हाण, आनंद लवनकर, ममताताई प्रजापति, प्रीतिताई बहादुर, पिंकी पाटिल, मारिया लवनकर उपस्थित थे. गौरतलब है कि इस बैठक में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए.

कचरे में जिंदा मिली नवजात बच्ची

नागपुर. नागपुर के धंतोली पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां गजानन नगर इलाके में एक नवजात बच्ची कचरे के ढेर में मिली है. फिलहाल इस बच्ची को इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वह पूरी तरह स्वस्थ बताई जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार, घरेलू काम करने वाली एक स्थानीय महिला बुधवार सुबह करीब 10 बजे काम पर जा रही थी. तभी उसकी नजर गजानन इलाके में एक डंपिंग यार्ड पर पड़ी, जहां एक नवजात बच्ची बिना कपड़ों के लावारिस पड़ी थी. बच्ची की उम्र कुछ ही हूरू की बताई जा रही है. महिला ने मानवता दिखाते हुए तुरंत बच्ची को उठाया, उसे नहलाया, कपड़े पहनाए और तुरंत धंतोली पुलिस को सूचना दी.

नशा मुक्त हो देश और समाज : प्रो. शर्मा

हिंदी विश्वविद्यालय में ली नशा मुक्ति प्रतिज्ञा

राष्ट्रबाण

वर्धा. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में गुरुवार को नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्देशित शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा दिलायी. इस अवसर पर अपने संदेश में कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि देश और समाज नशे से मुक्त होना चाहिए. उन्होंने कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक अवगुण है, नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे इंसान का अनमोल जीवन समय से पूर्व ही समाप्त हो जाता है. नशीले पदार्थों के सेवन से व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक हानि के साथ ही इससे सामाजिक वातावरण भी प्रदूषित होता है. नशा किसी प्रकार का भी हो व्यक्तित्व के विनाश, निर्धनता की वृद्धि और मृत्यु के द्वार खोलता है. इस आसुरी प्रवृत्ति को समाप्त करना परमावश्यक है. इसके अतिरिक्त छः संभाजी महाराज छात्रावास, बिरसा मुंडा छात्रावास, भगत सिंह छात्रावास, सुखदेव छात्रावास, राजगुरु छात्रावास, चंद्रशेखर आज़ाद छात्रावास, सावित्रीबाई फुले छात्रावास तथा लक्ष्मीबाई केलकर छात्रावास के अंतेवासियों को भी शपथ दिलायी गई. ऑनलाइन प्रतिज्ञा में प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मी, शोधार्थी व विद्यार्थी सहभागी हुए.

> नशा मुक्ति का अर्थ होता है किसी व्यक्ति या समाज को सभी प्रकार के नशे से मुक्त करना और साथ ही साथ व्यक्ति या समाज की सद्वृत्ति, स्वास्थ्यवृत्ति और सकारात्मक जीवन शैली को प्राथमिकता देना तथा नशे के हानिकारक प्रभावों से बचाव है. नशा मुक्ति का महत्त्व न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन के लिए है, बल्कि समाज के विकास के लिए भी अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि व्यसन से मुक्त परिसर के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व-विद्यालय कटिबद्ध है.

आयुर्वेदिक कॉलेज के विशेषज्ञों ने डॉक्टरों को बेसिक लाइफ सपोर्ट और CPR का प्रशिक्षण

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर के सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज और अस्पताल में हाल ही में डॉक्टरों को बेसिक लाइफ सपोर्ट और सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया. इसका उद्देश्य डॉक्टरों को प्रशिक्षित करना और दुर्घटनाओं के मामले में उचित योजना बनाने की उनकी क्षमता विकसित करना था. बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है. क्योंकि यह व्यक्तियों को जीवन-धमकाने वाली आपात स्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने के लिए ज्ञान और कौशल से लैस करता है. इसकी समय पर सहायता किसी व्यक्ति की जान बचा

सकती है. बीएलएस उन्नत चिकित्सा सहायता आने तक रक्त परिसंचरण और श्वास को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करता है और यह लोगों को गंभीर परिस्थितियों में आत्मविश्वास से कार्य करने में सक्षम बनाता है. एक दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से दिया गया यह बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीए-लएस) प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है. क्योंकि यह व्यक्तियों को जीवन-धमकाने वाली आपात स्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने के लिए ज्ञान और कौशल से लैस करता है. इसकी समय पर सहायता किसी व्यक्ति की जान बचा सकती है.

> बीएलएस उन्नत चिकित्सा सहायता आने तक रक्त परिसंचरण और श्वास को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करता है और यह लोगों को गंभीर परिस्थितियों में आत्मविश्वास से कार्य करने में सक्षम बनाता है. एक दिवसीय कार्यशाला में उन्हें प्री-हॉस्पिटल ट्रॉमा केयर के कुछ प्रमुख पहलुओं से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण प्रदान किए गए. इससे कम से कम 150 डॉक्टर लाभान्वित हुए. इस प्रशिक्षण की सबसे खास बात यह रही कि सभी को सीपीआर दिया गया. इस प्रशिक्षण के लिए वडोदरा स्थित लाइफ लाइन फाउंडेशन के विशेषज्ञ नागपुर आए थे.

सुधार वर्ष 2024-25 में 3 लाख 69 हजार मरीज लाभान्वित

स्वास्थ्य संवर्द्धन केंद्रों से मनपा की स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि

राष्ट्रबाण

नागपुर. 'आरोग्यम धनसंपदा' का अर्थ है स्वास्थ्य ही धन है. हमारा अच्छा स्वास्थ्य ही हमारे जीवन का वास्तविक धन है, जो हमें एक अच्छा शरीर और मन देता है और हमें सभी चुनौतियों से निपटते हुए जीवन का भरपूर आनंद लेने में सक्षम बनाता है. अच्छा स्वास्थ्य अच्छे मानसिक, शारीरिक और सामाजिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है. इस प्रकार, नागपुर महानगरपालिका पूरे नागपुर शहर में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का प्रयास कर रही है. अब महानगरपालिका के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए 27 आयुष्मान आरोग्य मंदिर जोड़े गए हैं. इन केंद्रों का उद्घाटन राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, राज्य के राजस्व मंत्री और जिले के पालकमंत्री माननीय चंद्रशेखर बावनकुले और माननीय राज्य मंत्री

आशीष जायसवाल द्वारा किया गया. नागपुर महानगरपालिका स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से आम जनता को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए तत्पर है. इसमें 15वें वित्त आयोग के निधियों के अंतर्गत नागपुर शहर के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कुल 113 आयुष्मान स्वास्थ्य मंदिर यानी स्वास्थ्य संवर्धन केंद्र को केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी दी गई है. वर्ष 2024-25 में 3 लाख 69 हजार 566 मरीजों ने सेवा का लाभ उठाया है. नागरिकों से बड़ी संख्या में इन स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की गई है.महानगर निगम के अंतर्गत कुल 52 आयुष्मान स्वास्थ्य मंदिर संचालित हैं. अब 27 आयुष्मान स्वास्थ्य मंदिर हैं, आशीनगर जोन के अंतर्गत पंचशील नगर (बीएन), एसआरए वंजारा, शेंडे नगर यू-एचडब्ल्यूसी, सुदाम नगर, सहयोग नगर, नारी रोड. धंतोली जोन के अंतर्गत भीम नगर, सुयोग नगर/संत साईकृपा सोसाइटी, धरमपेठ जोन के अंतर्गत बूटी, अंबर कॉलोनी, दाभा रोड. हनुमान नगर जोन अंतर्गत सिद्धेश्वर टोली/मां दुर्गा नगर, साईं नगर. लकड़गंज जोन के अंतर्गत वाजपेई नगर, चिखली, नवकन्या नगर, ओम साईं नगर, जूना कामठी रोड, शास्त्री नगर, लक्ष्मी नगर जोन के अंतर्गत एकात्मता नगर, मार्घर जोन के अंतर्गत जाफर नगर, एसआरए मार्टिन नगर, नेहरू नगर के अंतर्गत जूनी सुकरवारी, हसनबाग, जय दुर्गा नगर, सतरंजीपुरा जोन के अंतर्गत वीएचबी कॉलोनी, शांति नगर, बंगाली पांजा, अन्नाभाऊ साठे, के.जी. नगर, वैशाली नगर जनता को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करेगा.

आरोग्य मंदिरों में सभी सेवाएँ निःशुल्क

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सभी सेवाएँ निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं. जैसे, निवारक, संवर्धक और उपचारात्मक सेवाएं, सर्वेक्षण, बाह्य रोगी सेवाएं, गर्भावस्था और प्रसव देखभाल, नवजात और बाल स्वास्थ्य देखभाल, बचपन और किशोर स्वास्थ्य देखभाल, परिवार नियोजन गर्भनिरोधक सेवाएं और अन्य प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल, सामान्य संक्रामक रोगों और बाह्य रोगियों का प्रबंधन, तीव्र और मामूली बीमारियों की देखभाल, जांच, गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण, सामान्य नेत्र रोगों और ईएनटी समस्याओं की देखभाल, बुनियादी मौखिक स्वास्थ्य देखभाल, बुजुर्ग और उपशामक स्वास्थ्य देखभाल, जलने और दुर्घटनाओं सहित आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, मानसिक स्वास्थ्य रोगों की जांच और बुनियादी प्रबंधन, योग और कल्याण सेवाएं प्रदान की जाती हैं.

कुनबी समाज संस्था ने किया विदर्भस्तर पर समाज के

प्रतिभाशाली छात्रों का सत्कार

समाज के पहले IAS अधिकारी बने रजत श्रीराम पत्रे का सत्कार

राष्ट्रबाण

नागपुर. अखिल खेडूला कुनबी समाज, नागपुर की ओर से हाल ही में संपन्न कार्यक्रम में 22 जून को आशीर्वाद नगर, रिंग रोड, म्हालगी नगर चौक स्थित समाज भवन में मार्च 2025 की वार्षिक परीक्षाओं में 10 वीं, 12 वीं, UPSC/MPSC जैसी स्पर्धात्मक परीक्षाएं उत्तीर्ण कर सरकारी सेवाओं में चयनित हुए तथा डॉक्टर/MBBS/MD, खिलाड़ी और अन्य क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं जगद्गुरु संतशिरोमणि तुकाराम महाराज, छत्रपति शिवाजी महाराज और बलीराजा की प्रतिमाओं को माल्यार्पण कर की गई. इस सत्कार समारोह में लगभग 160

विद्यार्थियों ने भाग लिया. समाज के सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों को मान्यवरों के हाथों मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. इस मौके पर IAS अधिकारी श्री रजत श्रीराम पत्रे का भी सम्मानचिन्ह, शॉल और श्रीफल देकर सत्कार किया गया. इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के पालकों, समाजबंधुओं और बहनों सहित लगभग 400 से 500 लोगों की उपस्थिति रही. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभाकरराव पिलारे ने की. उद्घाटनकर्ता एडवोकेट अनिल ठाकरे थे. प्रमुख अतिथि एवं मार्गदर्शक के रूप में डॉ. प्रो. अभिविलास नखाते (निदेशक, शिवतीर्थ), विवेक तोंडरे (प्रशासकीय अधिकारी, MCED, संभाजीनगर) और स्वयं सत्कारमूर्ति श्री रजत श्रीराम पत्रे, IAS प्रमुख रूप से उपस्थित थे. प्रस्तावना सचिव सुधाकर भर्रे ने की, संचालन नंदकिशोर अलोणे और कु.पायल पारधी ने किया. इस अवसर पर डॉ. नखाते, विवेक तोंडरे और रजत पत्रे ने विद्यार्थियों और उनके पालकों को मार्गदर्शन प्रदान किया.

आईसीसी ने क्रिकेट के 6 बड़े नियम बदले

गलती पर लगेगा 5 रन का जुर्माना

नई दिल्ली. इंटरनेशनल क्रिकेट में 2 जुलाई से काफी कुछ बदलने वाला है. दरअसल आईसीसी ने में इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए कई नए नियमों को और खेल की शर्तों में बदलाव को मंजूरी दे दी है. इन बदलावों में वनडे में सिर्फ 35वें ओवर से सिर्फ एक गेंद के इस्तेमाल का नियम तो शामिल है ही लेकिन इसके साथ-साथ आईसीसी ने टेस्ट में स्टॉप क्लॉक नियम लागू कर दिया है. यही नहीं अगर कोई कैच साफ नहीं है और खिलाड़ी अगर उसके बावजूद बल्लेबाज के आउट होने का दावा करता है तो उसे नो बॉल करार दिया जाएगा. आइए आपको बताते हैं कि आईसीसी ने कौन से बड़े नियम बदले हैं.

टी20 और वनडे क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक नियम लागू करने के एक साल बाद अब आईसीसी ने टेस्ट में भी इसे लागू करने का फैसला किया है. टेस्ट में स्लो ओवर रेट एक बड़ी समस्या है. अब आईसीसी के नए नियम के मुताबिक फील्डिंग टीम को पिछले ओवर के खत्म होने के एक मिनट के अंदर अगला ओवर शुरू करना होगा. अगर वो ऐसा नहीं करते हैं तो अंपायर से उन्हें दो वॉर्निंग मिलेगी. इसके बाद अगर ऐसा हुआ तो हर बार पांच रन का जुर्माना लगाया जाएगा. 80 ओवर के बाद चेतावनी दोबारा रीसेट हो जाएंगी. ये नियम 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में ही लागू है.

आईसीसी ने शॉर्ट रन के मामले पर भी बड़ा फैसला लिया है. जानबूझकर शॉर्ट रन लेने पर पहले पांच रन का जुर्माना लगता था लेकिन नए नियमों के मुताबिक अगर बल्लेबाज एक्स्ट्रा रन चुराने के लिए जानबूझकर रन पूरा नहीं करता तो अंपायर फील्डिंग टीम से पूछेंगे कि वो किस बल्लेबाज को स्ट्राइक पर चाहते हैं. इसके अलावा शॉर्ट रन लेने वाले बल्लेबाजों की टीम पर पांच रन का जुर्माना तो लगेगा ही. हालांकि ये सब तभी होगा जब अंपायर को लगा हो कि बल्लेबाज का इरादा अंपायर को धोखा देना या रन बनाना नहीं था.

कैच पर भी बड़ा नियम बदला

आईसीसी ने कैच को लेकर भी एक बड़ा नियम बदला है. मान लीजिए, मैदानी अंपायरों को अगर पता नहीं है कि कैच सही लिया गया है या नहीं. लेकिन टीवी अंपायर बताता है कि ये नो बॉल थी. पहले, नो-बॉल सिग्नल होने पर कैच की निष्पक्षता की जांच नहीं होती थी. लेकिन नए नियमों में, तीसरा अंपायर अब कैच की समीक्षा करेगा. अगर कैच सही है, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को नो-बॉल के लिए केवल एक एक्स्ट्रा रन मिलेगा. लेकिन अगर कैच सही नहीं है, तो बल्लेबाजों की ओर से बनाए गए रन बल्लेबाजी टीम को मिलेंगे.

रिंकू सिंह को यूपी सरकार से मिला तोहफा

अब प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर करेंगे काम

नई दिल्ली. टीम इंडिया के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को यूपी सरकार ने बड़ा तोहफा दे दिया है. सरकार ने उन्हें शिक्षा विभाग में एक अहम जिम्मेदारी सौंप दी है. मैदान पर चौके-छक्के लगाने वाला ये बल्लेबाज अब प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर काम करेगा. प्रदेश सरकार उन्हें बेसिक एजुकेशन ऑफिसर के पद पर नियुक्त करने जा रही है. इसकी प्रकिया शुरू हो गई है. इससे पहले भी कई खिलाड़ियों को यूपी सरकार गवर्नमेंट नौकरी दे चुकी है. यूपी सरकार की ओर से रिंकू सिंह का सीधा चयन विशेष नियमावली 2022 के तहत की जा रही है. क्रिकेटर रिंकू को सभी जरूरी सर्टिफिकेट को संबंधित पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया है. सर्टिफिकेट जांच के बाद रिंकू को प्रोविजनल अपॉइंटमेंट दी जाएगी.

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलने वाले रिंकू सिंह ने 8वीं तक पढ़ाई की है. 9वीं क्लास में फेल होने के बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी थी. परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से उन्होंने अपने पिता का हाथ बंटाना शुरू कर दिया था. इस दौरान उन्होंने झाड़ू मारने की भी नौकरी की थी.

इस दौरान उन्होंने क्रिकेट नहीं छोड़ी. रिंकू की बचपन से ही क्रिकेट में काफी दिलचस्पी थी. उन्हें टेनिस बॉल से क्रिकेट की शुरुआत की और धीरे-धीरे क्रिकेट में आगे बढ़ने लगे. रिंकू सिंह ने साल 2014 में यूपी की ओर से रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था. साल 2023 में आईपीएल में लगातार 5 गेंदों में 5 छक्के लगाकर रिंकू सिंह पूरी दुनिया में छा गए थे.

भारत का लोअर ऑर्डर टेस्ट क्रिकेट में सबसे फिसड्डी

नई दिल्ली. इंग्लैंड के हाथों लीड्स टेस्ट में मिली हार का मुख्य कारण भारतीय टीम की खराब फील्डिंग और लोअर बैटिंग ऑर्डर का कॉलैप्स होना था। दोनों पारियों में भारत का निचाल क्रम कॉलैप्स हुआ। पहली पारी में भारत के आखिरी 7 विकेट सिर्फ 41 रन के अंदर गिर गए थे जबकि दूसरी पारी में आखिरी 6 विकेट 31 रन पर ढेर हो गए।

2024 की शुरुआत से ही भारतीय टेस्ट टीम का प्रदर्शन गिरावट की ओर है और इसका सबसे बड़ा कारण है टीम का निचला बल्लेबाजी क्रम। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में हिस्सा लेने वाली सभी 9 टीमों में भारतीय लोअर ऑर्डर सबसे कमजोर साबित हुआ है। आंकड़ों की मानें तो 2024 से अब तक 9 ऐसे मौके आए जब भारत के अंतिम 5 विकेट मिलकर भी 50 रन नहीं जोड़ पाए। इसके विपरीत, बाकी सभी डब्ल्यूटीसी टीमें इस दौरान केवल 7 बार ही इस स्थिति का शिकार हुई हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत की यह समस्या बाकी टीमों की तुलना में कहीं ज़्यादा गहरी और गंभीर है।

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को 180 रन पर समेटा

वेस्टइंडीज ने 30 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

केंसिंग्टन ओवल. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का खिताब गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले चक्र की शुरुआत कर दी है। बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में खेले जा रहे सीरीज के पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। वेस्टइंडीज ने उन्हें महज 180 रनों पर समेट दिया। पिछले 30 साल के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में यह पहला मौका है जब कंगारुओं की पहली पारी विंडीज के खिलाफ इतने कम स्कोर पर आउट हुई है। इस मैच में ट्रैविस हेड ने अर्धशतक लगाया। इस मैच के पहले दिन कुल 14 विकेट गिरे, जिनमें से 10 ऑस्ट्रेलियाई और 4 घरेलू टीम के थे। पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन यह फैसला गलत साबित हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने अपने शुरुआती तीन विकेट सिर्फ 22 रन पर गंवा दिए। इसके बाद ख्वाजा और ट्रैविस हेड ने अच्छी साझेदारी की और स्कोर को 100 के पार पहुंचाया। ख्वाजा 47 रन बनाकर पवेलियन लौट गए और अगला विकेट भी जल्दी गिर गया। इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। ट्रैविस हेड ने 59 रन की अर्धशतकीय पारी खेली और पूरी टीम 180 रन पर आउट हो गई। विंडीज के लिए जेडन सील्स ने 5 विकेट लिए।घरेलू टीम वेस्टइंडीज की शुरुआत भी बेहद खराब रही। उसने महज 16 रन पर दो विकेट गंवा दिए। इसके बाद तीसरे विकेट के लिए साझेदारी हुई और स्कोर 50 के पार पहुंचा। हालांकि, पहले दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने भी 57 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। इस तरह विंडीज ऑस्ट्रेलिया से 123 रन पीछे है। अब देखना यह है कि इस टेस्ट के दूसरे दिन पिच कैसी होगी। क्या फिर से विकेटों की झड़ी लगेगी या बल्लेबाजों को भी कुछ मदद मिलेगी? क्योंकि पहला दिन पूरी तरह से गेंदबाजों के नाम रहा, जिन्होंने 14 विकेट लिए। ध्यान रहे कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र में इन दोनों टीमों के बीच यह पहला मुकाबला है।

रिवर प्लेट पर 2-0 से जीत

नई दिल्ली. फ्रांसेस्को एस्पोसिटो और एलेसेंड्रो बस्टोनी के गोल की मदद से एफसी इंटरनेशनल मिलान फीफा क्लब विश्व कप 2025 के अंतिम-16 में पहुंच चुकी है। इंटर ने गुरुवार को रिवर प्लेट के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की है। इसी के साथ टीम ग्रुप-ई में शीर्ष पायदान पर पहुंच गई। इंटर ने 26वें मिनट में अपना पहला मौका बनाया, लेकिन इसे भुनाया नहीं जा सका। उसके पास 32वें मिनट पर गोल करने का एक और अच्छा मौका था, लेकिन टीम यह चांस भी चूक गई।

रिवर के मजबूत डिफेंस ने ब्रेक तक मुकाबले को गोल रहित बनाए रखा। हाफ-टाइम से ठीक पहले, इंटर के फेडेरिको डिमार्को ने नियर पोस्ट पर एक खतरनाक क्रॉस फायर किया, लेकिन सेंटर-बैक पाउलो डियाज ने एस्पोसिटो को गेंद पर कब्जा जमाने से रोकने के लिए लंजिंग क्लीयरेंस किया। 49वें मिनट में रिवर ने इंटर को खतरे में डाल दिया, लेकिन गोल नसीब नहीं हुआ। इंटर ने इसके बाद दबाव बनाना शुरू किया। इतालवी टीम ने कई मौके बनाए। सबसे शानदार मौका 52वें मिनट में आया, जब डियाज ने हेनरिक मिखितारयान के शॉट को ब्लॉक किया। 55वें मिनट में गोलकीपर फ्रेंको अरमानी ने मार्टिनेज के क्लोज-रेंज प्रयास को नाकाम कर दिया। 65वें मिनट में रिवर की टीम 10 खिलाड़ियों पर सिमट गई थी। इंटर को पहली सफलता 72वें मिनट पर मिली। सब्सटीट्यूट पेटर सुसिक ने एस्पोसिटो को मौका दिया, जिनके पास बॉक्स में अपने शॉट को दाएं पोस्ट के अंदर डालने के लिए भरपूर मौका था। यहां से टीम ने 1-0 से बढ़त बना ली। इसके बाद एलेसेंड्रो बस्टोनी ने 90+3 मिनट में एक शानदार गोल करके इंटर को 2-0 से आगे कर दिया। इंटर अब 30 जून को शार्लेट में ग्रुप एफ उपविजेता फ्लूमिनेंस एफसी का सामना करेगी।

जिसे आरसीबी करोड़ों में खरीदना चाहती थी

उसने देश को दी यादगार जीत

नई दिल्ली. ब्रायन लारा अपने समय के सुपरस्टार है. महान बल्लेबाजों में एक हैं. दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में टॉप लिस्ट में उनका नाम आता है. लेकिन, जिस खिलाड़ी की हम बात कर रहे हैं, जिस खिलाड़ी को आईपीएल 2025 में खेलने के आरसीबी ने मुंहमांगे पैसे दिए थे, उस खिलाड़ी को जब 11 साल की उम्र में ब्रायन लारा ने खेलते देखा था तो कहा था उस उम्र तो वो उतना अच्छा नहीं खेलते थे. बहरहाल, आज 30 साल के हो चुके उस खिलाड़ी का नाम रोमारियो शेफर्ड है. रोमारियो शेफर्ड फिलहाल चर्चा में हैं क्योंकि उन्होंने एमएलसी 2025 में अपनी टीम सैन फ्रैंसिस्को यूनिकॉर्न को विस्फोटक जीत दिलाई है.

एमएलसी 2025 में मुकाबला सैन फ्रैंसिस्को यूनिकॉर्न और सिएटल ओर्कास के बीच था. सैन फ्रैंसिस्को यूनिकॉर्न ने मुकाबले में पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 176 रन बनाए. सैन फ्रैंसिस्को यूनिकॉर्न की तरफ से जिस बल्लेबाज ने सबसे ज्यादा रन बनाए, जिसने उन्हें 176 रन के स्कोर तक पहुंचाया वो बल्लेबाज रहे रोमारियो शेफर्ड. वेस्टइंडीज के इस खिलाड़ी ने एमएलसी मैच में अपने कप्तान मैथ्यू शॉर्ट की रखी नींव पर जीत की बुलंद इमारत खड़ी है. सैन फ्रैंसिस्को यूनिकॉर्न के कप्तान मैथ्यू शॉर्ट ने ओपनिंग करते हुए 7 चौके और 2 छक्के की मदद से 29 गेंदों पर 52 रन बनाए. उनके दिलाए इस आगाज को रोमारियों शेफर्ड ने जीत के टोटल तक पहुंचाने का काम किया. वो अपनी टीम के सबसे सफल बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 31 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौके और 4 छक्के के साथ 56 रन बनाए. 8 जून को रिंकू सिंह की सगाई मछलीशहर की सपा सांसद प्रिया सरोज के साथ लखनऊ में हुई थी. इस दौरान बड़ी संख्या में मेहमान उनकी रिंग सेरेमनी में पहुंचे थे. इनकी शादी 18 नवंबर को वाराणसी में होने वाली थी, लेकिन किसी कारणवश इसे टाल दिया गया है.

19 साल में डेब्यू और टीम इंडिया की कप्तानी

नई दिल्ली. भारतीय हॉकी टीम अपने पुराने गौरवशाली दिनों की तरफ लौटती हुई दिख रही है। ओलंपिक में मिल रहे मेडल इस बात का सबूत हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय हॉकी की प्रतिष्ठा को पुनः वापस लाने में जिन खिलाड़ियों ने अहम भूमिका निभाई है। उनमें एक नाम मनप्रीत सिंह का भी है। 19 साल की उम्र में टीम इंडिया के लिए डेब्यू करने वाले इस खिलाड़ी ने अपनी पहचान एक दमदार और फुर्तीले मिडफील्डर के रूप में बनाई है। 26 जून 1992 को जालंधर, पंजाब में जन्मे मनप्रीत सिंह ने 2011 में महज 19 साल की उम्र में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था। डेब्यू के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा है और पिछले एक दशक में भारतीय हॉकी टीम की सफलता में अहम किरदार बनकर उभरे हैं।

मनप्रीत सिंह ने करियर में 4 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब (2013, 2018, 2023, 2024), 2 एशियाई खेल स्वर्ण पदक (2014, 2023), 2 ओलंपिक कांस्य पदक (2020, 2024), 2 राष्ट्रमंडल खेल रजत पदक (2014, 2022), 2014-15 और 2016-17 एफआईएच विश्व लीग और 2018 में हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में पोडियम स्थान हासिल किया। 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने मनप्रीत की कप्तानी में ही ब्रांज मेडल जीता था। मनप्रीत अबतक 4 ओलंपिक खेल चुके हैं। मनप्रीत सिंह भारत की तरफ से दूसरे सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन चुके हैं।

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की लगातार छठी जीत

नई दिल्ली. मेजर लीग क्रिकेट 2025 (एमएलसी) के 16वें मुकाबले में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए सिएटल ओर्कास को 32 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ यूनिकॉर्न्स ने लगातार छठी जीत दर्ज की और प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली। वहीं, सिएटल ओर्कास की यह लगातार पांचवीं हार रही और टीम अब भी जीत का खाता खोलने में नाकाम रही है।

डलास में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स ने 20 ओवरों में आठ विकेट गंवाकर 176 रन बनाए। टीम को 18 के स्कोर पर फिन एलन (4) के रूप में बड़ा झटका लगा, जिसके बाद कप्तान मैथ्यू शॉर्ट ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क के साथ दूसरे विकेट के लिए 68 रन जोड़े। जेक फ्रेजर-मैकगर्क 21 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मैथ्यू शॉर्ट ने 29 गेंदों में दो छक्कों और सात चौकों की मदद से 52 रन की पारी खेली। इनके अलावा रोमारियो शेफर्ड ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 56 रन बनाए। उनकी इस पारी में चार छक्के और इतने ही चौके शामिल रहे। इन तीन खिलाड़ियों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। विपक्षी टीम की ओर से हरमीत सिंह और गेराल्ड कोएट्जी ने तीन-तीन विकेट चटकाए। इनके अलावा ओबेड मैककॉय और कैमरून गैनन को एक-एक सफलता हाथ लगी।

इसके जवाब में सिएटल ओर्कास की टीम 18.2 ओवरों में महज 144 रन पर सिमट गई। टीम को सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और शायन जहांगीर ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 6.5 ओवरों में 66 रन की साझेदारी हुई, लेकिन इसी स्कोर पर यह दोनों सलामी बल्लेबाज आउट भी हो गए।

वॉर्नर 20 गेंदों में 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि जहांगीर ने 22 गेंदों में 40 रन की पारी खेली। इसके बाद शिमरोन हेटमायर ने टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन 16 गेंदों में 30 रन से ज्यादा नहीं बना सके। इनके अलावा सुजीत नायक (15) दहाई का आंकड़ा छूने वाले चौथे बल्लेबाज रहे। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की ओर से हारिस रऊफ ने सर्वाधिक चार विकेट झटके, जबकि मैथ्यू शॉर्ट ने तीन शिकार किए। इनके अलावा रोमारियो शेफर्ड को दो और जेवियर बार्टलेट को एक विकेट हाथ लगा।

दूसरे टेस्ट से पहले आर्चर घरेलू मैच खेलें तो बेहतर

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने दी सलाह

लंदन. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट खेलने से पहले लाल गेंद से एक और घरेलू मैच खेलने की सलाह दी है। तेज गेंदबाज आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। आर्चर रविवार से काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स टीम से खेलेंगे। रिपोर्केट मुताबिक आर्चर काउंटी मैच में फिट रहे तो दूसरे टेस्ट में उन्हें खिलाया जा सकता है। दूसरा टेस्ट दो जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने भी भारत-इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले बयान दिया था कि 30 साल के आर्चर फिर से टेस्ट जर्सी पहनने के लिए बेताब हैं। आर्चर चार साल से टेस्ट टीम से बाहर हैं। आर्चर ने इस सप्ताह की शुरुआत में चार साल से अधिक समय के बाद लाल बॉल से अपना पहला मैच खेला। वह चेस्टर-ले-स्ट्रीट में डरहम के खिलाफ चार दिवसीय मैच में ससेक्स के लिए उतरे और अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की झलक दिखाई। आर्चर ने 31 रन बनाए और 18 ओवरों में 32 रन देकर एक विकेट हासिल किया था। राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने आर्चर के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी को टेस्ट क्रिकेट में वापसी का रास्ता माना था, लेकिन वॉन को भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इस बेहतरीन दाएं हाथ के गेंदबाज को जल्दबाजी में शामिल करने का कोई कारण नहीं दिखता।इंग्लैंड पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाए हुए है। वॉन का मानना है कि आर्चर को रविवार से वारविकशायर के खिलाफ ससेक्स के लिए एक और चार दिवसीय मैच खेलना चाहिए और देखना चाहिए कि वह अपनी चोट से कितने उबर गये है, उसके बाद ही उन्हें टेस्ट टीम में शामिल किया जाना चाहिए।वॉन ने कहा,'अच्छी बात यह है कि जोफ्रा की वापसी हो रही है, लेकिन मैं उसे एक और चार दिवसीय मैच खेलते देखना चाहूंगा। वह चार साल से लंबे प्रारूप में नहीं खेले हैं, तो डरहम के खिलाफ ससेक्स के लिए एक मैच के बाद आप उसे वापस क्यों बुलाएंगे। उन्होने कहा, 'हम जानते हैं कि टेस्ट मैच के स्तर पर काउंटी क्रिकेट से बहुत अलग होता है। उसे एक और चार दिवसीय मैच खेलने दें। मैं उसी लाइन-अप के साथ जाऊंगा, जब तक कि गेंदबाज ठीक हैं और कोई परेशानी नहीं है तभी उसे खिलाना चाहिए।' इंग्लैंड और भारत के बीच दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होगा।

हर्षित राणा टीम इंडिया से बाहर

नई दिल्ली. भारत के तेज गेंदबाज हर्षित राणा को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे टेस्ट से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया है। युवा गेंदबाज को पहले टेस्ट में कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, राणा टीम के साथ लीड्स से बर्मिंघम नहीं गए हैं।

टीम इंडिया लीड्स से बर्मिंघम रवाना भारतीय टीम लीड्स से बर्मिंघम के लिए रवाना हो गई। टीम अगले दो दिन आराम करेगी और फिर दूसरा टेस्ट शुरू होने से पहले ट्रेनिंग शुरू करेगी। दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से खेला जाना है। भारतीय टीम पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से पीछे है।

कोच ने राणा को टीम से रिलीज के दिए थे संकेत कोच गौतम गंभीर ने राणा के बारे में कहा, 'मैंने अभी चीफ सिलेक्टर से बात नहीं की है, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को छोटी-मोटी चोट की आशंका थी। इसलिए हमने उन्हें बैकअप के तौर पर रखा था। लेकिन अब सब ठीक लग रहा है, तो अगर सब फिट हैं, तो उन्हें वापस जाना होगा। 5 खिलाड़ियों के शतक के बाद भी हेडिंग्ले टेस्ट हारा भारत हेडिंग्ले टेस्ट में पांच बल्लेबाजों के शतक लगाने के बाद भी टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। यह टेस्ट इतिहास में पहली बार हुआ कि किसी टीम ने पांच शतक लगाने के बावजूद मैच गंवाया। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत (दो बार) ने शतक बनाए, लेकिन इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 371 रनों का लक्ष्य हासिल कर पांच विकेट से जीत दर्ज की।